# CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2023 with Solution PDF-Set 2/1/1

## Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

**निर्धारित समय: 3 Hours** **अधिकतम अंक: 80**

**सामान्य निर्देश**

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 2 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

**1. वैश्विक महामारी, संघर्ष और प्राकृतिक आपदा के बीच पूरा विश्व अवसाद से गुजर रहा है। औद्योगिक क्रांति की लहर के कारण पृथ्वी की पारिस्थितिकी और इंसानों के पर्यावरण के साथ संबंधों में एक नया और उल्लेखनीय मोड़ आया। करीब पाँच हज़ार वर्ष पहले हुए कृषि क्रांति ने समाज को भोजन और स्थायित्व प्रदान किया था। पहली औद्योगिक क्रांति 250 साल पहले हुई थी जो मुख्यत: कोयले और भाप के साथ हुई थी; दूसरी औद्योगिक क्रांति बिजली और तेल के साथ तथा तीसरी कम्प्यूटर और सहायक सामग्रियों के साथ और अब चौथी औद्योगिक क्रांति में भौतिक, डिजिटल और तकनीकी दुनिया में प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण है। बीसवीं शताब्दी के दौरान परमाणु बमों के विस्फोट के साथ मानवता ने नए युग में प्रवेश किया। हमने स्वयं के विनाश करने की शक्ति पा ली यह सुनिश्चित किए बिना कि हम ऐसा होने से रोक सकते थे।**

**एक ऐसी दुनिया की कल्पना करना भी मुश्किल है जहाँ देश शक्ति और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। विस्तृत औद्योगीकरण, कारखानों के प्रसार, सड़कों के निर्माण के लिए जंगलों के कटाव, विशाल बाँधों और विस्तृत उत्पादन आदि के लिए नदियों को रोकने, यातायात के साधनों की गतिविधियों और लोगों के पलायन ने पारिस्थितिकी में गंभीर गड़बड़ी पैदा की है। जिसके फलस्वरूप पर्यावरण परिवर्तन और भूमंडलीय ताप में वृद्धि को नकारा नहीं जा सकता है।**

**आज प्रकृति और विश्व-शांति दोनों ही ख़तरे में हैं। विकास ने भू-राजनीति के साथ मिलकर मानवता को ख़तरे में डाल दिया है। और हमें यह नहीं पता कि वर्तमान की संकटमय परिस्थिति के आत्मघाती तरीकों से कैसे उबरा जाए ?**

**आज मानव अस्तित्व को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से ख़तरा हो रहा है और इसमें इतनी क्षमता है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों के अरबों लोगों के जीवन और निवास स्थान को नुकसान पहुँच सकता है। पारिस्थितिकी संरक्षण और जलवायु-परिवर्तन की भयावह चुनौतियाँ दहला देने वाली हैं। अब इस बात की आवश्यकता है कि हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव लाया जाए। इस मुद्दे का केन्द्र बिन्दु यह है कि हम अपनी सभ्यता की प्रक्रिया के संरक्षण के लिए किस प्रकार नए और संवेदनशील निर्माण की ओर बढ़ सकते हैं।** [10 अंक]

**1(i). मानव अस्तित्व को सबसे अधिक ख़तरा किससे है ?** [1 अंक]

(A) जलवायु परिवर्तन से

(B) औद्योगीकरण से

(C) बढ़ती महामारी से

(D) प्रदूषण से

**सही उत्तर:** (A) जलवायु परिवर्तन से

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें अंतिम अनुच्छेद में स्पष्ट है कि मानव अस्तित्व को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से खतरा हो रहा है। इससे अरबों लोगों के जीवन और निवास स्थान को नुकसान पहुँच सकता है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें औद्योगीकरण पर्यावरण संकट का एक कारण है, पर यहाँ अस्तित्व को खतरे का प्रत्यक्ष नाम पूछा गया है। महामारी आरंभिक परिस्थिति का हिस्सा है। प्रदूषण सामान्य पर्यावरणीय समस्या है, किंतु इस प्रश्न के निर्णायक वाक्य में उसका नाम नहीं है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अत: सही विकल्प (A) है—जलवायु परिवर्तन से।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

**1(ii). पारिस्थितिकी संरक्षण के लिए सबसे ठोस उपाय हो सकता है :** [1 अंक]

(A) कड़े कानून लागू करना

(B) औद्योगीकरण पर पाबंदी

(C) सोच और व्यवहार में बदलाव

(D) जागरूकता

**सही उत्तर:** (C) सोच और व्यवहार में बदलाव

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें गद्यांश के अंत में कहा गया है कि अब हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। संरक्षण के लिए संवेदनशील निर्माण की ओर बढ़ना इसी परिवर्तन का व्यावहारिक रूप है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें कड़े कानून लागू करने और औद्योगीकरण पर पाबंदी लगाने को लेखक ने समाधान नहीं बताया है। जागरूकता सहायक हो सकती है, किंतु केवल जानकारी होना पर्याप्त नहीं; दिए गए विकल्पों में सोच और व्यवहार बदलना लेखक के कथन से सीधे मिलता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है—सोच और व्यवहार में बदलाव।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

---

**1(iii). 'पृथ्वी की पारिस्थितिकी' से आप क्या समझते हैं ?** [1 अंक]

(A) पृथ्वी की बनावट

(B) धरती पर जीवन

(C) प्रकृति और पर्यावरण

(D) पर्यावरण में संतुलन

**सही उत्तर:** (C) प्रकृति और पर्यावरण

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें पारिस्थितिकी शब्द यहाँ पृथ्वी के प्राकृतिक परिवेश और उसमें मनुष्य के संबंधों के संदर्भ में आया है। आगे जंगलों, नदियों, पर्यावरण तथा जलवायु का उल्लेख इसी अर्थ को स्पष्ट करता है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें पृथ्वी की बनावट केवल भौतिक संरचना है। धरती पर जीवन कहना पर्यावरणीय संबंधों को पूरा नहीं समेटता। पर्यावरण में संतुलन पारिस्थितिकी की एक अवस्था या लक्ष्य है; विकल्पों में प्रकृति और पर्यावरण व्यापक संदर्भ को अधिक ठीक व्यक्त करता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है—प्रकृति और पर्यावरण।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

**1(iv). कृषि-क्रांति से जीवन पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ा ?** [1 अंक]

(A) जीवन में संपन्नता आ गई

(B) अन्न का पैदावार होने लगा

(C) उत्तम कृषि की तलाश में भटकाव

(D) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई

**सही उत्तर:** (D) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें पहले अनुच्छेद में कृषि क्रांति के संबंध में सीधा कथन है कि उसने समाज को भोजन और स्थायित्व प्रदान किया था। प्रश्न जीवन पर पड़े प्रभाव के बारे में है, इसलिए दोनों परिणाम साथ लेने चाहिए।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें संपन्नता का दावा गद्यांश में नहीं है। अन्न की पैदावार कृषि से जुड़ी है, पर यह विकल्प स्थायित्व के महत्त्वपूर्ण परिणाम को छोड़ देता है। उत्तम कृषि की तलाश में भटकाव स्थायित्व के उलट है, इसलिए वह भी सही नहीं है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही विकल्प (D) है—भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

---

**1(ix). आपकी दृष्टि में लोगों के पलायन का प्रमुख कारण क्या हो सकता है ?** [1 अंक]

(A) स्थायित्व की खोज

(B) भय से मुक्त जीवन

(C) बेहतर जीवन की तलाश

(D) आवागमन की सुविधा

**सही उत्तर:** (C) बेहतर जीवन की तलाश

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें प्रश्न में आपकी दृष्टि में पूछकर पलायन के संभावित प्रमुख उद्देश्य का अनुमान अपेक्षित है। गद्यांश में लोगों के पलायन का उल्लेख सामाजिक और पर्यावरणीय परिवर्तनों के साथ आता है; बेहतर जीवन की तलाश इसका व्यापक और उपयुक्त उद्देश्य है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें स्थायित्व की खोज और भय से मुक्त जीवन पलायन के कुछ विशेष उद्देश्य हो सकते हैं, लेकिन बेहतर जीवन में ये दोनों आकांक्षाएँ समाहित हो सकती हैं। आवागमन की सुविधा पलायन को संभव बनाने वाला साधन है; वह अपने आप में पलायन का प्रमुख उद्देश्य नहीं है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है—बेहतर जीवन की तलाश।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

**1(v). कम्प्यूटर का विकास किस औद्योगिक क्रांति में हुआ ?** [1 अंक]

(A) पहली

(B) दूसरी

(C) तीसरी

(D) चौथी

**सही उत्तर:** (C) तीसरी

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें पहले अनुच्छेद में औद्योगिक क्रांतियों का क्रम दिया गया है। उसमें तीसरी औद्योगिक क्रांति का संबंध कम्प्यूटर और सहायक सामग्रियों से बताया गया है। प्रश्न में इसी स्पष्ट संबंध की पहचान करनी है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें पहली क्रांति कोयले और भाप से तथा दूसरी बिजली और तेल से जुड़ी है। चौथी क्रांति में भौतिक, डिजिटल और तकनीकी दुनियाओं का सम्मिश्रण बताया गया है। इसलिए इन तीनों विकल्पों के स्थान पर कम्प्यूटर से सीधे जुड़ी तीसरी क्रांति चुनेंगे।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है—तीसरी।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

**1(vi). बीसवीं शताब्दी में हमने अपने विनाश की शक्ति खोजी है, कैसे ?** [1 अंक]

(A) परमाणु बम बनाकर

(B) प्रौद्योगिकी विकास कर

(C) तकनीकी विकास कर

(D) डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर

**सही उत्तर:** (A) परमाणु बम बनाकर

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें गद्यांश में बीसवीं शताब्दी के दौरान परमाणु बमों के विस्फोट का उल्लेख है। ठीक इसके बाद लेखक कहता है कि हमने स्वयं को नष्ट करने की शक्ति पा ली। इन दोनों वाक्यों का संबंध उत्तर निर्धारित करता है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें प्रौद्योगिकी विकास और तकनीकी विकास बहुत व्यापक अभिव्यक्तियाँ हैं; वे यहाँ बताई गई विशिष्ट विनाशकारी उपलब्धि का नाम नहीं देतीं। डिजिटल दुनिया में प्रवेश चौथी औद्योगिक क्रांति के संदर्भ का विषय है, जबकि विनाश की शक्ति परमाणु बमों से जोड़ी गई है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही विकल्प (A) है—परमाणु बम बनाकर।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

**1(vii). प्रतिस्पर्धाविहीन दुनिया की कल्पना करना कठिन क्यों है ?** [1 अंक]

(A) प्रतियोगिता में बने रहने की इच्छा

(B) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा

(C) त्याग की भावना का अभाव

(D) संतोष की भावना का अभाव

**सही उत्तर:** (B) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें दूसरे अनुच्छेद का आरंभ कहता है कि ऐसी दुनिया की कल्पना कठिन है जहाँ देश शक्ति और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। अतः प्रतियोगिता के पीछे दूसरे देशों पर अपना प्रभाव और वर्चस्व स्थापित करने की इच्छा है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें प्रतियोगिता में बने रहने की इच्छा कहना मूल प्रेरणा को स्पष्ट नहीं करता। त्याग की भावना और संतोष की भावना का अभाव गद्यांश में कारण के रूप में नहीं दिया गया है। लेखक के शक्ति और प्रभुत्व वाले प्रत्यक्ष कथन से प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा ही मेल खाती है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही विकल्प (B) है—प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

**1(viii). गद्यांश के आधार पर पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव के लिए किसे उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता ?** [1 अंक]

(A) जंगलों का कटाव

(B) लोगों का पलायन

(C) प्राकृतिक आपदा

(D) विस्तृत औद्योगीकरण

**सही उत्तर:** (C) प्राकृतिक आपदा

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके कथन और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में वही अर्थ चुनना है जो प्रश्न की माँग और लेखक के आशय से सबसे अधिक मेल खाता हो।

**चरण 1:** निर्णायक कथन पहचानें प्रश्न में नहीं शब्द निर्णायक है। दूसरे अनुच्छेद में पारिस्थितिकी में गड़बड़ी पैदा करने वाले कारणों की सूची है। उसमें जंगलों का कटाव, लोगों का पलायन और विस्तृत औद्योगीकरण स्पष्ट रूप से शामिल हैं।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें प्राकृतिक आपदा का उल्लेख आरंभ में विश्व के अवसाद की परिस्थिति के रूप में है; उसे इस अनुच्छेद में पारिस्थितिकी तंत्र के बदलाव का उत्तरदायी नहीं बताया गया है। अन्य तीनों विकल्प कारणों की सूची में मौजूद हैं, इसलिए नकारात्मक प्रश्न में वे नहीं चुने जाएँगे।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है—प्राकृतिक आपदा।

**त्वरित सुझाव:** पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को गद्यांश के संबंधित वाक्य से मिलाएँ, फिर मिलते-जुलते विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनें।

**1(x). पर्यावरण परिवर्तन में आप किसकी प्रमुख भूमिका मानते हैं ?** [1 अंक]

(A) जनसंख्या वृद्धि

(B) औद्योगीकरण

(C) प्राकृतिक आपदा

(D) मानवीय गतिविधियाँ

**सही उत्तर:** (D) मानवीय गतिविधियाँ

**हल:**

**अवधारणा:**

- गद्यांश में पर्यावरण परिवर्तन के कारणों को एक साथ समझना आवश्यक है।
- औद्योगीकरण, वन-कटाई, बाँधों का निर्माण, यातायात और पलायन मानव द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ हैं।

**चरण 1:** कारणों का आधार खोजें गद्यांश में कारखानों के प्रसार, सड़कों के लिए जंगल काटने, नदियों को रोकने तथा यातायात की गतिविधियों से पारिस्थितिकी में गंभीर गड़बड़ी होने की बात कही गई है। ये सभी मनुष्य के कार्य हैं, इसलिए इनके व्यापक समूह को पहचानना चाहिए।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों से तुलना करें (A) जनसंख्या वृद्धि का यहाँ प्रमुख कारण के रूप में स्पष्ट उल्लेख नहीं है। (B) औद्योगीकरण एक महत्त्वपूर्ण कारण है, किंतु वह सभी वर्णित कारणों को समेटता नहीं है। (C) प्राकृतिक आपदा आरंभ में संकट के रूप में आती है; पर्यावरण परिवर्तन की व्याख्या मानवीय कार्यों से की गई है। इसलिए व्यापक और सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर (D) है।

**चरण 3:** निष्कर्ष पर्यावरण परिवर्तन में प्रमुख भूमिका मानवीय गतिविधियों की है। सही विकल्प (D) है।

**त्वरित सुझाव:** कारण पूछे जाने पर अनुच्छेद में गिनाए सभी कार्यों को समेटने वाला विकल्प चुनें।

---

**2(a). वंदनीय तू कर्ण, देखकर तेज तिग्म अति तेरा,**
**काँप उठा था आते ही देवत्वपूर्ण मन मेरा।**
**किन्तु, अभी तो तुझे देख मन और डरा जाता है,**
**हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है।**
**दीख रहा तू मुझे ज्योति के उज्ज्वल शैल अचल-सा**
**कोटि-कोटि जन्मों के संचित महापुण्य के फल-सा**
**त्रिभुवन में जिन अमित योगियों का प्रकाश जगता है**
**उनके पूँजीभूत रूप-सा तू मुझको लगता है।**
**खड़े दीखते जगतनियंता पीछे तुझे गगन में**
**बड़े प्रेम से लिए तुझे ज्योतिर्मय आलिंगन में**
**दान, धर्म, अगणित व्रत-साधन, योग, यज्ञ, तप तेरे**
**सब प्रकाश बन खड़े हुए हैं तुझे चतुर्दिक घेरे**
**मही मग्न हो तुझे अंक में लेकर इठलाती है**
**मस्तक सूँघ स्वत्व अपना यह कहकर जतलाती है**
**इसने मेरे अमित मलिन पुत्रों का दुख मेटा है,**
**सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है।** [5 अंक]

**2(a)(i). 'हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है।' – पंक्ति में 'हृदय सिमटने' का क्या आशय है ?** [1 अंक]

(A) आनंदित होना

(B) संकुचित होना

(C) दुखी होना

(D) प्रायश्चित होना

**सही उत्तर:** (B) संकुचित होना

**हल:**

**अवधारणा:**

- शब्द का आशय उसके आसपास के कथन और वक्ता की मन:स्थिति से निर्धारित होता है।
- कर्ण के असाधारण तेज के सामने वक्ता स्वयं को छोटा और संकुचित अनुभव करता है।

**चरण 1:** संदर्भ में भाव पहचानें इस पंक्ति से पहले वक्ता कहता है कि कर्ण को देखकर उसका मन और डरता जाता है। कर्ण के तेज तथा महानता के सामने उसका हृदय सिमटता है। यहाँ सिमटने का आशय भीतर से संकुचित होने से है। इसे केवल प्रसन्नता अथवा किसी अपराध की स्वीकृति के अर्थ में नहीं लेना चाहिए।

**चरण 2:** विकल्पों का परीक्षण करें (A) आनंदित होना भय और सिमटने के भाव को व्यक्त नहीं करता। (B) संकुचित होना सीधे हृदय सिमटने का आशय बताता है। (C) दुखी होना एक सामान्य मानसिक अवस्था है, जबकि प्रश्न विशेष रूप से सिमटने का अर्थ पूछता है। (D) प्रायश्चित होना पश्चात्ताप से जुड़ा है, जिसका इस पंक्ति में उल्लेख नहीं है।

**चरण 3:** निष्कर्ष हृदय सिमटने का आशय संकुचित होना है। सही विकल्प (B) है।

**त्वरित सुझाव:** सिमटने जैसे भावात्मक शब्द का अर्थ चुनते समय उससे पहले व्यक्त भय और संकोच देखें।

**2(a)(ii). काव्यांश में 'जगतनियंता' से किसे संबोधित किया गया है ?** [1 अंक]

(A) चन्द्रमा को

(B) ब्रह्मा को

(C) कृष्ण को

(D) सूर्य को

**सही उत्तर:** (C) कृष्ण को

**हल:**

**अवधारणा:**

- काव्यांश में प्रयुक्त विशेषण और संबोधन से संबोधित सत्ता की पहचान की जाती है।
- जगतनियंता का अर्थ जगत का संचालन करने वाला है; यहाँ यह संबोधन कृष्ण के लिए है।

**चरण 1:** संबोधन का संदर्भ समझें कवि कर्ण की महानता का वर्णन करते हुए उसके पीछे जगतनियंता को गगन में खड़ा दिखाता है। वे कर्ण को प्रेम से ज्योतिर्मय आलिंगन में लिए हुए हैं। इस प्रसंग में जगतनियंता से कृष्ण का बोध होता है, जो कर्ण के पुण्य और महान चरित्र को स्वीकार करने वाली दिव्य सत्ता के रूप में प्रस्तुत हैं।

**चरण 2:** अन्य विकल्प अलग करें (A) चन्द्रमा का काव्यांश में ऐसा कोई प्रसंग नहीं है। (B) ब्रह्मा सृष्टि की रचना से जुड़े हैं, किंतु यहाँ संबोधन कृष्ण के लिए प्रयुक्त हुआ है। (D) सूर्य का उल्लेख अंत में सूर्यपुत्र शब्द के माध्यम से कर्ण के संबंध में आता है; उसे जगतनियंता का संबोधन नहीं दिया गया है। इसलिए (C) उपयुक्त है।

**चरण 3:** निष्कर्ष जगतनियंता से कृष्ण को संबोधित किया गया है। सही विकल्प (C) है।

**त्वरित सुझाव:** जगतनियंता के संबोधन को कर्ण के सूर्यपुत्र होने के उल्लेख से अलग रखकर पढ़ें।

**2(a)(iii). दान, धर्म, व्रत तथा योग किस रूप में कर्ण को चारों ओर से सुरक्षित किए हुए है ?** [1 अंक]

(A) भक्ति रूप में

(B) प्रकाश रूप में

(C) ऊर्जा रूप में

(D) धर्म रूप में

**सही उत्तर:** (B) प्रकाश रूप में

**हल:**

**अवधारणा:**

- प्रत्यक्ष तथ्य के प्रश्न का उत्तर काव्यांश की संबंधित पंक्ति से मिलता है।
- दान, धर्म और साधना जैसे सद्गुणों को कवि प्रकाश का रूप देकर प्रस्तुत करता है।

**चरण 1:** निर्णायक पंक्ति खोजें काव्यांश में दान, धर्म, अगणित व्रत-साधन, योग, यज्ञ और तप का उल्लेख करने के तुरंत बाद कहा गया है कि ये सब प्रकाश बनकर कर्ण को चतुर्दिक घेरे खड़े हैं। चतुर्दिक का अर्थ चारों दिशाओं में है। इससे प्रश्न में पूछे गए रूप का स्पष्ट और सीधा उत्तर प्राप्त होता है।

**चरण 2:** हर विकल्प का मिलान करें (A) भक्ति रूप में कहना संबंधित पंक्ति का कथन नहीं है। (B) प्रकाश रूप में ठीक वही रूप है जिसे कवि ने स्पष्ट किया है। (C) ऊर्जा रूप में अर्थ का विस्तार हो सकता है, पर वह प्रयुक्त शब्द नहीं है। (D) धर्म रूप में केवल एक सद्गुण दोहराया गया है; सभी साधनाओं का सामूहिक रूप प्रकाश बताया गया है।

**चरण 3:** निष्कर्ष दान, धर्म, व्रत तथा योग कर्ण को प्रकाश रूप में घेरे हुए हैं। सही विकल्प (B) है।

**त्वरित सुझाव:** ऐसे तथ्यात्मक प्रश्न में कल्पना जोड़ने के बजाय उसी पंक्ति का मुख्य शब्द चुनें।

---

**2(a)(iv). 'मही' का अर्थ है :** [1 अंक]

(A) धरती

(B) आकाश

(C) आग

(D) गोद

**सही उत्तर:** (A) धरती

**हल:**

**अवधारणा:**

- इस प्रश्न में काव्यांश के प्रसंग के आधार पर 'मही' का आशय पहचानना है।
- उत्तर के लिए पंक्ति का प्रत्यक्ष संकेत और आसपास के कथन का संबंध आधार बनता है।

**चरण 1:** काव्यांश का संकेत समझें काव्यांश में 'मही मग्न हो तुझे अंक में लेकर इठलाती है' कहा गया है। यहाँ मही उस धरती का नाम है जो कर्ण को अपनी गोद में लेकर प्रसन्न होती हुई दिखाई गई है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें आकाश ऊपर का विस्तार है, आग अग्नि है और गोद के लिए इसी पंक्ति में अलग से 'अंक' शब्द आया है। अतः (B), (C) और (D) मही के अर्थ नहीं हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही उत्तर (A) 'धरती' है।

**त्वरित सुझाव:** काव्यांश के शब्द का अर्थ पहचानते समय उसके साथ प्रयुक्त क्रिया और निकट के शब्द भी देखें।

**2(a)(v). सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है — काव्य-पंक्ति में 'मुझ' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?** [1 अंक]

(A) कुंती

(B) राधा

(C) पृथ्वी

(D) अधिरथ

**सही उत्तर:** (C) पृथ्वी

**हल:**

**अवधारणा:**

- इस प्रश्न में काव्यांश के प्रसंग के आधार पर 'मुझ' का आशय पहचानना है।
- उत्तर के लिए पंक्ति का प्रत्यक्ष संकेत और आसपास के कथन का संबंध आधार बनता है।

**चरण 1:** काव्यांश का संकेत समझें पंक्ति से पहले मही अर्थात पृथ्वी के कर्ण को अंक में लेने और अपना दुख कहने का वर्णन है। उसी क्रम में 'इसने मेरे अमित मलिन पुत्रों का दुख मेटा है' और फिर 'सूर्यपुत्र यह नहीं' कहा गया है। इसलिए बोलने वाली पृथ्वी है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें कुंती कर्ण की जन्मदात्री और राधा उसकी पालक माता हैं, पर इस प्रसंग में वक्ता वे नहीं हैं। अधिरथ का भी वक्ता के रूप में उल्लेख नहीं है। इसलिए (A), (B) और (D) प्रसंगानुकूल नहीं हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) 'पृथ्वी' है।

**त्वरित सुझाव:** सर्वनाम का आशय जानने के लिए पिछली पंक्तियों में बोलने वाले पात्र या मानवीकृत सत्ता को खोजें।

अथवा

**2(b). जो नर आत्म-दान से अपना जीवन-घट भरता है**
**वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरता है।**
**जहाँ कहीं है ज्योति जगत में, जहाँ कहीं उजियाला**
**वहाँ खड़ा है कोई अंतिम मोल चुकाने वाला।।**
**दिया अस्थि देकर दधीचि ने, शिवि ने अंग कतर कर,**
**हरिश्चन्द्र ने कफ़न माँगते हुए सत्य पर अड़ कर।**
**ईसा ने संसार-हेतु शूली पर प्राण गँवा कर**
**अंतिम मूल्य दिया गाँधी ने तीन गोलियाँ खाकर**
**हँसकर लिया मरण ओठों पर, जीवन का व्रत पाला,**
**अमर हुआ सुकरात जगत में पीकर विष का प्याला।**
**मरकर भी मनसूर नियति की सह पाया ना ठिठोली,**
**उत्तर में सौ बार चीखकर बोटी-बोटी बोली।**
**दान जगत का प्रकृत धर्म है, मनुज व्यर्थ डरता है**
**एक रोज तो हमें स्वयं सब-कुछ देना पड़ता है।**
**बचते वही, समय पर जो सर्वस्व दान करते हैं**
**ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं।** [5 अंक]

**2(b)(i). संसार में अमर पद को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है :** [1 अंक]

(A) आत्मदान करना

(B) परोपकार करना

(C) त्याग करना

(D) आत्मोत्सर्ग करना

**सही उत्तर:** (A) आत्मदान करना

**हल:**

**अवधारणा:**

- इस प्रश्न में काव्यांश के प्रसंग के आधार पर 'आत्म-दान' का आशय पहचानना है।
- उत्तर के लिए पंक्ति का प्रत्यक्ष संकेत और आसपास के कथन का संबंध आधार बनता है।

**चरण 1:** काव्यांश का संकेत समझें काव्यांश का आरंभ 'जो नर आत्म-दान से अपना जीवन-घट भरता है' से होता है। अगली पंक्ति बताती है कि ऐसा व्यक्ति मृत्यु के मुख में पड़कर भी नहीं मरता। यहाँ अमरता का अर्थ उसके आदर्श और यश का बने रहना है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें परोपकार और त्याग इस भाव के निकट हैं, पर प्रश्न का सीधा उत्तर आरंभिक पंक्ति में प्रयुक्त आत्मदान है। आत्मोत्सर्ग भी संबंधित विचार है, किंतु दिए गए कथन का प्रत्यक्ष शब्द-संकेत (A) में है; (B), (C), (D) उतने सटीक नहीं हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही उत्तर (A) 'आत्मदान करना' है।

**त्वरित सुझाव:** अमरता के साधन का प्रश्न हो तो पहले उस पंक्ति को खोजें जिसमें कवि ने अमर रहने की शर्त बताई है।

**2(b)(ii). सत्य पर अडिग रहने वाले महापुरुषों में किसका नाम अमर है ?** [1 अंक]

(A) राम

(B) कृष्ण

(C) शिवि

(D) हरिश्चन्द्र

**सही उत्तर:** (D) हरिश्चन्द्र

**हल:**

**अवधारणा:**

- इस प्रश्न में काव्यांश के प्रसंग के आधार पर 'सत्य पर अड़ कर' का आशय पहचानना है।
- उत्तर के लिए पंक्ति का प्रत्यक्ष संकेत और आसपास के कथन का संबंध आधार बनता है।

**चरण 1:** काव्यांश का संकेत समझें काव्यांश में स्पष्ट है—'हरिश्चन्द्र ने कफ़न माँगते हुए सत्य पर अड़ कर'। कवि ने हरिश्चन्द्र को कठिन परिस्थिति में भी सत्य का पालन करने वाले महापुरुष के रूप में स्मरण किया है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें राम और कृष्ण के नाम इस काव्यांश में इस प्रसंग में नहीं आए हैं। शिवि का उल्लेख अंग काटकर दान देने के लिए है, सत्य पर अडिग रहने के उदाहरण के लिए नहीं। इसलिए (A), (B) और (C) गलत हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) 'हरिश्चन्द्र' है।

**त्वरित सुझाव:** महापुरुष और उसके गुण का मिलान करते समय उसी नाम के साथ जुड़ी घटना को पढ़ें।

**2(b)(iii). 'ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं' — काव्य-पंक्ति में 'ऋतु' शब्द का क्या अर्थ है ?** [1 अंक]

(A) मौसम

(B) परम्परा

(C) समय

(D) रीति

**सही उत्तर:** (C) समय

**हल:**

**अवधारणा:**

- इस प्रश्न में काव्यांश के प्रसंग के आधार पर 'ऋतु' का आशय पहचानना है।
- उत्तर के लिए पंक्ति का प्रत्यक्ष संकेत और आसपास के कथन का संबंध आधार बनता है।

**चरण 1:** काव्यांश का संकेत समझें अंतिम पंक्तियों में कहा गया है कि वही बचते हैं जो 'समय पर' सर्वस्व दान करते हैं। उसके तुरंत बाद 'ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको' आता है। इस समानांतर प्रयोग में ऋतु का आशय दान करने के उचित समय से है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें ऋतु का सामान्य अर्थ मौसम हो सकता है, पर यहाँ मौसम की चर्चा नहीं है। परंपरा और रीति भी सही अर्थ नहीं हैं, क्योंकि विरोध समय पर दान और समय चूककर देने के बीच है। अतः (A), (B), (D) संदर्भ में असंगत हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) 'समय' है।

**त्वरित सुझाव:** शब्द के प्रचलित अर्थ पर तुरंत निर्णय न लें; पहले देखें कि पिछली पंक्ति उसे किस अर्थ में स्पष्ट करती है।

**2(b)(iv). कवि के अनुसार संसार में कौन बच जाता है ?** [1 अंक]

(A) शासक

(B) अमीर

(C) दानी

(D) कृपण

**सही उत्तर:** (C) दानी

**हल:**

**अवधारणा:**

- इस प्रश्न में काव्यांश के प्रसंग के आधार पर 'सर्वस्व दान' का आशय पहचानना है।
- उत्तर के लिए पंक्ति का प्रत्यक्ष संकेत और आसपास के कथन का संबंध आधार बनता है।

**चरण 1:** काव्यांश का संकेत समझें कवि कहता है—'बचते वही, समय पर जो सर्वस्व दान करते हैं'। यहाँ बचने का आशय केवल शारीरिक जीवन बचना नहीं, बल्कि मृत्यु के बाद भी अपने त्याग और उपकार के कारण स्मृति में जीवित रहना है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें शासक का पद और अमीर का धन अपने आप अमरता नहीं देते। कृपण व्यक्ति दान से बचता है, इसलिए वह कवि के बताए आदर्श के विपरीत है। अतः (A), (B) और (D) के स्थान पर दानी उचित उत्तर है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) 'दानी' है।

**त्वरित सुझाव:** काव्य में बचना या अमर होना आए तो प्रसंग से तय करें कि अर्थ यश का बने रहना है या शरीर का जीवित रहना।

**2(b)(v). काव्यांश में कवि ने महापुरुषों का उल्लेख क्यों किया है ?** [1 अंक]

(A) उनका परिचय देने के लिए

(B) उनसे सीख लेने के लिए

(C) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए

(D) धर्म की वास्तविकता को जानने के लिए

**सही उत्तर:** (C) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए

**हल:**

**अवधारणा:**

- इस प्रश्न में काव्यांश के प्रसंग के आधार पर 'दान जगत का प्रकृत धर्म' का आशय पहचानना है।
- उत्तर के लिए पंक्ति का प्रत्यक्ष संकेत और आसपास के कथन का संबंध आधार बनता है।

**चरण 1:** काव्यांश का संकेत समझें दधीचि का अस्थिदान, शिवि का अंगदान और अन्य महापुरुषों का बलिदान यह दिखाते हैं कि महान आदर्श के लिए अपना सर्वस्व देने वाले अमर होते हैं। इन घटनाओं के बाद कवि दान को जगत का स्वाभाविक धर्म बताता है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच करें केवल परिचय देना (A) उद्देश्य नहीं है, क्योंकि नामों के साथ त्याग की घटनाएँ दी गई हैं। सीख लेना (B) व्यापक परिणाम है, पर मुख्य विषय की स्पष्ट पहचान (C) में है। धर्म की वास्तविकता (D) की सामान्य चर्चा के बजाय पूरा अंश त्याग और दान की महिमा पर केंद्रित है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) 'त्याग और दान की महिमा जानने के लिए' है।

**त्वरित सुझाव:** उदाहरणों का उद्देश्य पहचानने के लिए उनके बाद आया सामान्य निष्कर्ष पढ़ें और सबसे विशिष्ट विकल्प चुनें।

**3(i). यूरोप के पुनर्जागरण में आप किसकी भूमिका को प्रमुख मानते हैं ?** [1 अंक]

(A) छापाखाना

(B) समाचार-पत्र

(C) औद्योगिक क्रांति

(D) नेता

**सही उत्तर:** (A) छापाखाना

**हल:**

**अवधारणा:**

- छापाखाने ने पुस्तकों और नए विचारों को बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँचाया।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** पुनर्जागरण में विचारों के प्रसार को पहचानें यूरोप के पुनर्जागरण में ज्ञान, वैज्ञानिक दृष्टि और स्वतंत्र चिंतन का प्रसार निर्णायक था। छापाखाने से पुस्तकों की अनेक प्रतियाँ अपेक्षाकृत कम समय में तैयार होने लगीं। इससे ज्ञान कुछ लोगों तक सीमित नहीं रहा और नए विचार समाज के व्यापक हिस्से तक पहुँचे।

**चरण 2:** शेष विकल्पों की जाँच करें समाचार-पत्र मुद्रण से विकसित एक माध्यम हैं, जबकि प्रश्न व्यापक ऐतिहासिक भूमिका पूछता है। औद्योगिक क्रांति का केंद्रीय संबंध मशीनों और उत्पादन से है। किसी एक नेता को इस व्यापक बौद्धिक परिवर्तन का प्रमुख संचार साधन नहीं माना जा सकता।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (A), छापाखाना है।

**त्वरित सुझाव:** पुनर्जागरण के साथ ज्ञान और पुस्तकों के व्यापक प्रसार को जोड़कर छापाखाने की भूमिका पहचानें।

**3(ii). अख़बारों की पुरानी फाइलों को सहजतापूर्वक खोजने का अवसर हमें प्राप्त होता है :** [1 अंक]

(A) प्रेस से

(B) दूरदर्शन से

(C) इंटरनेट से

(D) पुस्तकालय से

**सही उत्तर:** (C) इंटरनेट से

**हल:**

**अवधारणा:**

- डिजिटल अभिलेखों में पुराने समाचार-पत्रों को तिथि और विषय के आधार पर खोजा जा सकता है।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** खोज की सुविधा समझें इंटरनेट पर समाचार-पत्रों के पुराने अंकों के डिजिटल अभिलेख उपलब्ध होते हैं। पाठक तिथि, शीर्षक अथवा विषय के आधार पर पुरानी सामग्री खोज सकता है। प्रश्न में सहजतापूर्वक खोजने की सुविधा पर बल है, इसलिए इंटरनेट सबसे उपयुक्त माध्यम है।

**चरण 2:** अन्य माध्यमों का अंतर देखें प्रेस मुख्यतः मुद्रण का स्थान या संस्था है। दूरदर्शन दृश्य-श्रव्य प्रसारण का माध्यम है, अख़बारों की फाइलें खोजने का साधन नहीं। पुस्तकालय में पुराने अंक मिल सकते हैं, पर उन्हें दूर से त्वरित डिजिटल खोज की सुविधा इंटरनेट देता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (C), इंटरनेट से है।

**त्वरित सुझाव:** पुराने अंकों में तिथि या विषय से तुरंत खोजने का संकेत मिले तो डिजिटल अभिलेख और इंटरनेट याद करें।

**3(iii). पत्रकारीय लेखन का संबंध आप किससे मानते हैं ?** [1 अंक]

(A) वास्तविक घटनाओं से

(B) साहित्यिक लेखन से

(C) सृजनात्मक लेखन से

(D) प्रभावकारी विचारों से

**सही उत्तर:** (A) वास्तविक घटनाओं से

**हल:**

**अवधारणा:**

- पत्रकारीय लेखन का आधार वास्तविक, सत्यापित घटनाएँ और तथ्य होते हैं।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** लेखन का तथ्याधार पहचानें पत्रकारिता समाज में घट रही वास्तविक घटनाओं की जानकारी देती है। पत्रकार घटना से जुड़े तथ्य एकत्र करता है और उनकी जाँच करके पाठक तक पहुँचाता है। इसलिए पत्रकारीय लेखन का मूल संबंध वास्तविक घटनाओं से है।

**चरण 2:** दूसरे विकल्पों का मूल्यांकन करें साहित्यिक लेखन में कल्पना और कलात्मक अभिव्यक्ति का स्वतंत्र स्थान है। सृजनात्मक लेखन शैलीगत गुण हो सकता है, किंतु पत्रकारिता का मूल आधार नहीं। प्रभावकारी विचार संपादकीय में आ सकते हैं, पर समूचे पत्रकारीय लेखन को केवल विचारों तक सीमित नहीं किया जा सकता।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (A), वास्तविक घटनाओं से है।

**त्वरित सुझाव:** पत्रकारिता के स्वरूप वाले प्रश्न में पहले तथ्य, सत्यापन और वास्तविक घटना का आधार खोजें।

**3(iv). 'उलटा पिरामिड' शैली का संबंध है :** [1 अंक]

(A) फ़ीचर लेखन से

(B) आलेख लेखन से

(C) समाचार लेखन से

(D) कथा लेखन से

**सही उत्तर:** (C) समाचार लेखन से

**हल:**

**अवधारणा:**

- उलटा पिरामिड शैली में सर्वाधिक महत्वपूर्ण सूचना पहले और कम महत्वपूर्ण विवरण बाद में आता है।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** सूचना का क्रम समझें उलटा पिरामिड शैली समाचार की प्रस्तुति का प्रचलित ढंग है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात आरंभ में दी जाती है, उसके बाद संबंधित विवरण और अंत में अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण जानकारी आती है। पाठक आरंभ पढ़कर मुख्य घटना समझ लेता है।

**चरण 2:** अन्य लेखन-रूपों से भेद करें फ़ीचर में रोचक प्रस्तुति और मानवीय पक्ष प्रमुख हो सकते हैं। आलेख किसी विषय का विचारपूर्ण विवेचन करता है। कथा घटनाओं और पात्रों के कलात्मक विकास पर चलती है। इन रूपों की अनिवार्य संरचना उलटा पिरामिड नहीं होती।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (C), समाचार लेखन से है।

**त्वरित सुझाव:** सबसे जरूरी तथ्य पहले और सहायक विवरण बाद में हों तो उलटा पिरामिड शैली पहचानें।

**3(v). विशेष लेखन की भाषा शैली किस तरह की होती है ?** [1 अंक]

(A) सामान्य लेखन की तरह

(B) समाचार लेखन की तरह

(C) सामान्य लेखन से अलग

(D) आलंकारिक भाषा का प्रयोग

**सही उत्तर:** (C) सामान्य लेखन से अलग

**हल:**

**अवधारणा:**

- विशेष लेखन में विषयानुकूल शब्दावली और संबंधित क्षेत्र की जानकारी आवश्यक होती है।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** विशेषज्ञता का भाषिक प्रभाव समझें विशेष लेखन विज्ञान, अर्थव्यवस्था, खेल या अन्य विशिष्ट क्षेत्र से जुड़ा होता है। इसमें उस क्षेत्र की अवधारणाओं और पारिभाषिक शब्दों का सटीक प्रयोग होता है। इस कारण इसकी भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग होती है, यद्यपि उसे पाठक के लिए बोधगम्य रखना चाहिए।

**चरण 2:** शेष विकल्पों को परखें सामान्य लेखन की तरह कहना विषयगत विशिष्टता की उपेक्षा करता है। समाचार लेखन की तरह कहना भी पर्याप्त नहीं, क्योंकि विशेष लेखन में अतिरिक्त क्षेत्रीय ज्ञान आवश्यक है। आलंकारिक भाषा का प्रयोग इसकी अनिवार्य पहचान नहीं; स्पष्टता और शब्दों की शुद्धता अधिक आवश्यक हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (C), सामान्य लेखन से अलग है।

**त्वरित सुझाव:** विशेष लेखन की पहचान विषय-विशेष की जानकारी और पारिभाषिक शब्दावली से करें, अलंकारों से नहीं।

**4. जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास**
**पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास**
**जब वे दौड़ते हैं बेसुध**
**छतों को भी नरम बनाते हुए**
**दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए**
**जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं**
**डाल की तरह लचीले वेग से अकसर** [5 अंक]

**4(i). प्रस्तुत काव्यांश किससे संबंधित है ?** [1 अंक]

(A) कवि से
(B) बच्चों से
(C) मनुष्य से
(D) चिड़िया से

**सही उत्तर:** (B) बच्चों से

**हल:**

**अवधारणा:**

- काव्यांश में क्रियाओं और बिंबों के आधार पर वर्णित पात्रों की पहचान की जाती है।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** क्रियाओं से संदर्भ पहचानें बेचैन पैर, बेसुध दौड़ना, छतों पर खेलना और पेंग भरना बच्चों की चंचलता तथा खेल में तन्मयता का चित्र बनाते हैं। कोमलता और डाल जैसा लचीलापन भी बाल-स्वभाव की ओर संकेत करते हैं। अतः यहाँ बच्चों का वर्णन है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों का परीक्षण करें कवि इस दृश्य का वर्णन करता है, स्वयं उसका केंद्रीय पात्र नहीं है। मनुष्य कहना अत्यधिक व्यापक है और बाल-सुलभ क्रियाओं की विशिष्टता नहीं बताता। चिड़िया का विकल्प भी उपयुक्त नहीं, क्योंकि बेचैन पैरों से छतों पर दौड़ने का संदर्भ बच्चों से जुड़ा है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (B), बच्चों से है।

**त्वरित सुझाव:** पात्र पहचानते समय काव्यांश की सभी क्रियाओं को साथ पढ़ें और सबसे विशिष्ट विकल्प चुनें।

---

**4(ii). 'कपास' शब्द किस रूप में प्रयुक्त हुआ है ?** [1 अंक]

(A) यथार्थ
(B) कल्पना
(C) निश्छलता
(D) कोमलता

**सही उत्तर:** (D) कोमलता

**हल:**

**अवधारणा:**

- कपास का मुलायम स्पर्श बच्चों की कोमलता को मूर्त रूप देता है।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** शब्द का प्रसंगगत अर्थ खोजें जन्म से कपास साथ लाने का कथन वस्तुतः कपास ढोने का वर्णन नहीं है। कपास की मुलायमता

के माध्यम से बच्चों के शरीर और स्वभाव की कोमलता व्यक्त हुई है। आगे छतों के नरम होने और डाल जैसे लचीले वेग का उल्लेख इसी कोमलता को पुष्ट करता है।

**चरण 2:** निकट विकल्पों का भेद करें यथार्थ चुनना कथन को भौतिक घटना मान लेना होगा। कल्पना अभिव्यक्ति की पद्धति हो सकती है, पर यहाँ शब्द द्वारा सूचित गुण पूछा गया है। निश्छलता बाल-स्वभाव का गुण है, किंतु कपास के स्पर्श से सीधे उभरने वाला गुण कोमलता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (D), कोमलता है।

**त्वरित सुझाव:** प्रतीक का अर्थ चुनते समय वस्तु के सबसे प्रत्यक्ष गुण को काव्यांश के प्रसंग से जोड़ें।

---

**4(iii). 'छतों को नरम बनाते हुए' — पंक्ति का भाव है :** [1 अंक]

(A) कल्पना के पीछे भागना

(B) छतों पर दौड़ते रहना

(C) कठिनाइयों को आसान बनाना

(D) कठिनाइयों की परवाह नहीं करना

**सही उत्तर:** (D) कठिनाइयों की परवाह नहीं करना

**हल:**

**अवधारणा:**

- क्रीड़ा में तन्मय बच्चे कठोर सतह और संभावित चोट की परवाह किए बिना दौड़ते हैं।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** नरम छत का व्यंजित आशय समझें छत वस्तुतः नरम नहीं हो जाती। बच्चे खेल में इतने बेसुध और उत्साह से भरे हैं कि उन्हें उसकी कठोरता या चोट लगने का डर बाधित नहीं करता। पंक्ति बच्चों की निर्भय तन्मयता और कठिनाइयों की परवाह न करने का भाव व्यक्त करती है।

**चरण 2:** विकल्पों का सूक्ष्म अंतर देखें कल्पना के पीछे भागना यहाँ मुख्य विषय नहीं है। छतों पर दौड़ते रहना केवल बाहरी क्रिया है, भावार्थ नहीं। कठिनाइयों को आसान बनाना उनके स्वरूप में बदलाव का संकेत देता है; यहाँ बच्चे बाधाओं को बदलने के बजाय उनकी परवाह किए बिना खेलते हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (D), कठिनाइयों की परवाह नहीं करना है।

**त्वरित सुझाव:** भावार्थ में बाहरी क्रिया से आगे बढ़कर पात्र की मानसिक अवस्था और पंक्ति के प्रसंग को पहचानें।

---

**4(iv). 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने' से क्या अभिप्राय है ?** [1 अंक]

(A) दिशाओं को ढोलक की तरह बजाना

(B) दिशाओं में ढोलक के स्वर गूँजना

(C) चारों तरफ बच्चों की किलकारियों का गूँजना

(D) चारों दिशाओं में बच्चों का भागना

**सही उत्तर:** (C) चारों तरफ बच्चों की किलकारियों का गूँजना

**हल:**

**अवधारणा:**

- मृदंग की ध्वनि का बिंब बच्चों की आनंदभरी आवाजों से वातावरण के गूँजने को व्यक्त करता है।
- विकल्प का चयन प्रश्न के विशिष्ट संकेत और प्रसंग के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** ध्वनि-बिंब का आशय खोलें दिशाओं को मृदंग की तरह बजाना आलंकारिक कथन है। खेलते बच्चों की किलकारियाँ और उल्लासभरी आवाजें चारों ओर फैलती हैं। इससे ऐसा लगता है जैसे पूरा वातावरण संगीत की ताल से भर गया हो। यहाँ आनंद की ध्वनि का बिंब प्रमुख है।

**चरण 2:** शाब्दिक और अधूरे अर्थ हटाएँ दिशाओं को वास्तव में ढोलक की तरह बजाना संभव नहीं। दिशाओं में ढोलक के स्वर गूँजना भी किसी वास्तविक वाद्य का उल्लेख मान लेता है। चारों दिशाओं में बच्चों का भागना केवल गति बताता है, जबकि मृदंग का बिंब किलकारियों की गूँज को विशेष रूप से सामने लाता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही विकल्प (C), चारों तरफ बच्चों की किलकारियों का गूँजना है।

**त्वरित सुझाव:** वाद्य से जुड़ी उपमा में देखें कि प्रसंग में कौन-सी आवाज वातावरण को गुँजा रही है।

---

**4(v). डाल की क्या विशेषता होती है ?** [1 अंक]

(A) कठोरता

(B) लचीलापन

(C) हरियाली

(D) मजबूती

**सही उत्तर:** (B) लचीलापन

**हल:**

**अवधारणा:**

- उपमा में प्रयुक्त विशेषता का प्रसंग के आधार पर निर्धारण किया जाता है।
- सही विकल्प वही है जो पाठ के स्पष्ट संकेत से सबसे निकट मेल खाता है।

**चरण 1:** पाठ का निर्णायक संकेत काव्यांश में स्पष्ट रूप से कहा गया है, "डाल की तरह लचीले वेग से। यहाँ डाल से बच्चों की गति की तुलना की गई है। डाल मुड़ सकती है और फिर अपनी स्थिति में लौट सकती है; इसीलिए कवि ने उसके लचीलेपन को चुना है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच कठोरता लचीलेपन के विपरीत है, इसलिए (A) गलत है। हरियाली डाल का रंग-संबंधी गुण हो सकती है, लेकिन इस पंक्ति में उसका उल्लेख नहीं है; इसलिए (C) अनुपयुक्त है। मजबूती भी यहाँ तुलना का आधार नहीं है, इसलिए (D) सही नहीं है।

**चरण 3:** निष्कर्ष डाल की विशेषता लचीलापन है। सही विकल्प (B) है।

**त्वरित सुझाव:** उपमा का आधार खोजने के लिए "की तरह के ठीक बाद आने वाले गुण पर ध्यान दें।

**5. लेकिन इस बार मैंने साफ इनकार कर दिया। नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भर कर पानी इस गंदी मेंढक-मंडली पर। जब जीजी बाल्टी भर कर पानी ले गईं उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुँह फुलाए खड़ा रहा। शाम को उन्होंने लड्डू-मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया। मुँह फेरकर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं। पहले वे भी तमतमाई, लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रहा गया। पास आकर मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोलीं, "देख भैया रूठ मत। मेरी बात सुन। यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इन्द्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे ?"** [5 अंक]

**5(i). लेखक ने 'मेंढक-मंडली' पर पानी फेंकने से इनकार क्यों कर दिया ?** [1 अंक]

(A) मेंढक-मंडली को पसंद नहीं करने के कारण

(B) इसे अंधविश्वास मानने के कारण

(C) पानी के महत्त्व को समझने के कारण

(D) पानी की बरबादी मानने के कारण

**सही उत्तर:** (D) पानी की बरबादी मानने के कारण

**हल:**

**अवधारणा:**

- कार्य के विरोध का कारण का प्रसंग के आधार पर निर्धारण किया जाता है।
- सही विकल्प वही है जो पाठ के स्पष्ट संकेत से सबसे निकट मेल खाता है।

**चरण 1:** पाठ का निर्णायक संकेत लेखक बाल्टी भर-भरकर पानी मेंढक-मंडली पर डालने का विरोध करता है। उसके लिए इस प्रकार पानी बहाना उपयोगी कार्य नहीं है। "नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भर कर पानी में पानी की मात्रा पर दिया गया बल उसकी आपत्ति को स्पष्ट करता है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच (A) में मंडली के प्रति नापसंदगी है, लेकिन पानी फेंकने से इनकार का मुख्य कारण पानी का व्यर्थ जाना है। (B) लेखक के व्यापक वैचारिक विरोध को बताता है, और (C) पानी के सामान्य महत्त्व को; इस विशिष्ट क्रिया पर उसकी आपत्ति का सबसे सीधा कथन (D) है।

**चरण 3:** निष्कर्ष लेखक इसे पानी की बरबादी मानता था। सही विकल्प (D) है।

**त्वरित सुझाव:** ऐसे प्रश्न में सामान्य विचार और किसी खास कार्य के तत्काल कारण के बीच अंतर पहचानें।

**5(ii). जीजी की मदद करने के लिए लेखक आगे क्यों नहीं आया ?** [1 अंक]

(A) विचारों में असहमति के कारण

(B) नाराज़गी के कारण

(C) बाल्टी भारी होने के कारण

(D) तार्किक होने के कारण

**सही उत्तर:** (B) नाराज़गी के कारण

**हल:**

**अवधारणा:**

- व्यवहार से मनःस्थिति पहचानना का प्रसंग के आधार पर निर्धारण किया जाता है।
- सही विकल्प वही है जो पाठ के स्पष्ट संकेत से सबसे निकट मेल खाता है।

**चरण 1:** पाठ का निर्णायक संकेत गद्यांश में जीजी के बूढ़े पैरों के डगमगाने और हाथों के काँपने पर भी लेखक के "मुँह फुलाए अलग खड़े रहने का वर्णन है। इससे स्पष्ट है कि वह रूठा हुआ था। उसकी नाराज़गी ने उसे जीजी की सहायता करने से रोका।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच विचारों की असहमति (A) विवाद की पृष्ठभूमि है, पर उस समय सहायता न करने का प्रत्यक्ष कारण

नाराज़गी है। (C) गलत है क्योंकि बाल्टी उठाने में लेखक की असमर्थता नहीं बताई गई। (D) का तार्किक होना भी बुज़ुर्ग जीजी की सहायता न करने का उचित प्रत्यक्ष कारण नहीं है।

**चरण 3:** निष्कर्ष लेखक नाराज़ होने के कारण जीजी की मदद के लिए आगे नहीं आया। सही विकल्प (B) है।

**त्वरित सुझाव:** "मुँह फुलाना, बात न करना और खाने की वस्तुएँ खिसकाना एक ही मनःस्थिति के संकेत हैं।

**5(iii). डगमगाते पैरों और काँपते हाथों से भी जीजी पानी क्यों फेंकने को तत्पर थी ?** [1 अंक]

(A) पानी फेंकना अनिवार्य होने के कारण

(B) लेखक के मना करने के कारण

(C) परम्परा में विश्वास होने के कारण

(D) रूढ़िवादी होने के कारण

**सही उत्तर:** (C) परम्परा में विश्वास होने के कारण

**हल:**

**अवधारणा:**

- लोकविश्वास और चरित्र की प्रेरणा का प्रसंग के आधार पर निर्धारण किया जाता है।
- सही विकल्प वही है जो पाठ के स्पष्ट संकेत से सबसे निकट मेल खाता है।

**चरण 1:** पाठ का निर्णायक संकेत जीजी कहती हैं कि यदि वे इंद्रसेना को पानी नहीं देंगी तो इंद्र भगवान उन्हें पानी कैसे देंगे। इस कथन में वर्षा से जुड़ी लोकपरंपरा के प्रति उनका विश्वास प्रकट है। इसी आस्था के कारण वे शारीरिक कमजोरी के बावजूद पानी फेंकने के लिए तत्पर थीं।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच (A) गलत है क्योंकि कोई बाहरी अनिवार्यता नहीं बताई गई। (B) गलत है क्योंकि उनका उद्देश्य लेखक का विरोध करना नहीं है। (D) रूढ़िवादी होने का सामान्य मूल्यांकन है; गद्यांश उनकी प्रेरणा को परंपरा में विश्वास के रूप में अधिक स्पष्ट ढंग से प्रस्तुत करता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष जीजी परम्परा में विश्वास होने के कारण पानी फेंकने को तत्पर थीं। सही विकल्प (C) है।

**त्वरित सुझाव:** चरित्र की प्रेरणा पहचानते समय उसके अपने कथन को सामान्य विशेषण से अधिक महत्त्व दें।

**5(iv). 'मुँह फेरकर बैठ गया' — वाक्य में 'मुँह फेरना' क्या है ?** [1 अंक]

(A) मुहावरा

(B) लोकोक्ति

(C) पदबंध

(D) पद

**सही उत्तर:** (A) मुहावरा

**हल:**

**अवधारणा:**

- मुहावरे का प्रसंगगत अर्थ का प्रसंग के आधार पर निर्धारण किया जाता है।
- सही विकल्प वही है जो पाठ के स्पष्ट संकेत से सबसे निकट मेल खाता है।

**चरण 1:** पाठ का निर्णायक संकेत "मुँह फेरना का यहाँ अर्थ केवल चेहरे को दूसरी दिशा में घुमाना नहीं है। लेखक जीजी से रूठकर उनसे बोलना भी बंद कर देता है। इसलिए यह प्रयोग नाराज़गी दिखाने और उपेक्षा करने का विशेष अर्थ देता है; ऐसा रूढ़ प्रयोग मुहावरा कहलाता है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच लोकोक्ति (B) प्रायः अनुभव या नीति बताने वाला स्वतंत्र कथन होती है; यहाँ ऐसा कथन नहीं है। पदबंध (C) शब्दों के समूह का सामान्य व्याकरणिक परिचय है, जो इस विशेष रूढ़ अर्थ को नहीं बताता। पद (D) वाक्य में प्रयुक्त एक शब्द है, जबकि यहाँ पूरा विशिष्ट प्रयोग पूछा गया है।

**चरण 3:** निष्कर्ष इस वाक्य में "मुँह फेरना मुहावरा है। सही विकल्प (A) है।

**त्वरित सुझाव:** यदि शब्द-समूह का अर्थ उसके शब्दों के सीधे अर्थ से आगे जाता है, तो मुहावरे की जाँच करें।

---

**5(v). जीजी लेखक से ज्यादा देर तक गुस्सा क्यों नहीं रह पाई ?** [1 अंक]

(A) लेखक के भूखे रहने के कारण

(B) लेखक से काम होने के कारण

(C) लेखक को नासमझ मानने के कारण

(D) लेखक से स्नेह होने के कारण

**सही उत्तर:** (D) लेखक से स्नेह होने के कारण

**हल:**

**अवधारणा:**

- व्यवहार से स्नेह पहचानना का प्रसंग के आधार पर निर्धारण किया जाता है।
- सही विकल्प वही है जो पाठ के स्पष्ट संकेत से सबसे निकट मेल खाता है।

**चरण 1:** पाठ का निर्णायक संकेत जीजी थोड़ी देर तमतमाने के बाद स्वयं लेखक के पास आती हैं। वे उसका सिर अपनी गोद में रखकर प्यार से "देख भैया रूठ मत कहती हैं। यह वात्सल्यपूर्ण व्यवहार बताता है कि लेखक के प्रति उनका स्नेह उनके क्षणिक क्रोध से अधिक प्रबल था।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच (A) में भूख को कारण बनाया गया है, जबकि प्रसंग का केंद्र उनका अपनापन है। (B) गलत है क्योंकि वे कोई काम निकलवाने नहीं आतीं। (C) में लेखक को नासमझ समझना बताया गया है, लेकिन सिर गोद में रखना और प्यार से मनाना सीधे स्नेह का प्रमाण है।

**चरण 3:** निष्कर्ष जीजी लेखक से स्नेह होने के कारण ज्यादा देर गुस्सा नहीं रह पाईं। सही विकल्प (D) है।

**त्वरित सुझाव:** संबंधों के प्रश्नों में गोद में सिर रखना और प्यार से संबोधित करना जैसे व्यवहार निर्णायक होते हैं।

---

**6(i). यशोधर बाबू ने झेंपते हुए खुश होने की अदा किससे सीखी थी ?** [1 अंक]

(A) अपनी पत्नी से

(B) किशन दा से

(C) चड्ढा से

(D) अपने पिता से

**सही उत्तर:** (B) किशन दा से

**हल:**

**अवधारणा:**

- पात्र पर वरिष्ठ का प्रभाव का प्रसंग के आधार पर निर्धारण किया जाता है।
- सही विकल्प वही है जो पाठ के स्पष्ट संकेत से सबसे निकट मेल खाता है।

**चरण 1:** पाठ का निर्णायक संकेत "सिल्वर वैडिंग में किशन दा यशोधर बाबू के जीवन और व्यवहार के आदर्श हैं। यशोधर बाबू उनके तौर-तरीकों से प्रभावित रहते हैं। झेंपते हुए प्रसन्नता व्यक्त करने की उनकी विशिष्ट अदा भी किशन दा से सीखी हुई है।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच पत्नी (A) के साथ यशोधर बाबू के दृष्टिकोण में अंतर दिखाई देता है; यह अदा उनसे ग्रहण नहीं की गई। चड्ढा (C) इस व्यवहार के आदर्श नहीं हैं। पिता (D) भी इस विशिष्ट अदा के स्रोत के रूप में उल्लिखित नहीं हैं। पाठ का स्पष्ट संबंध किशन दा से है।

**चरण 3:** निष्कर्ष यशोधर बाबू ने झेंपते हुए खुश होने की अदा किशन दा से सीखी थी। सही विकल्प (B) है।

**त्वरित सुझाव:** यशोधर बाबू के व्यवहार के स्रोत संबंधी प्रश्नों में किशन दा के आदर्श और प्रभाव को याद करें।

**6(ii). यशोधर बाबू गोल मार्केट छोड़ना क्यों नहीं चाहते थे ?** [1 अंक]

(A) बड़ा घर होने के कारण

(B) किशन दा के प्रति विश्वास

(C) क्षेत्र विशेष से प्रेम के कारण

(D) यादें जुड़ी होने के कारण

**सही उत्तर:** (D) यादें जुड़ी होने के कारण

**हल:**

**अवधारणा:**

- स्थान से भावनात्मक लगाव का प्रसंग के आधार पर निर्धारण किया जाता है।
- सही विकल्प वही है जो पाठ के स्पष्ट संकेत से सबसे निकट मेल खाता है।

**चरण 1:** पाठ का निर्णायक संकेत यशोधर बाबू का गोल मार्केट से संबंध केवल सुविधाओं का नहीं है। वहाँ उनके पुराने जीवन और परिचित परिवेश की स्मृतियाँ जुड़ी हैं। बदलते पारिवारिक वातावरण में ये यादें उन्हें अपने बीते समय और जीवन-मूल्यों से जोड़े रखती हैं, इसलिए वे वहाँ से हटना नहीं चाहते।

**चरण 2:** अन्य विकल्पों की जाँच (A) गलत है क्योंकि बड़े घर का आकर्षण उनकी अनिच्छा का कारण नहीं है। किशन दा पर विश्वास (B) उनके व्यक्तित्व का पक्ष है, लेकिन स्थान छोड़ने की अनिच्छा का सीधा कारण नहीं। (C) का क्षेत्र-प्रेम सामान्य कथन है; (D) उस प्रेम का विशिष्ट भावनात्मक आधार, जुड़ी हुई यादें, बताता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष गोल मार्केट से यादें जुड़ी होने के कारण यशोधर बाबू उसे छोड़ना नहीं चाहते थे। सही विकल्प (D) है।

**त्वरित सुझाव:** स्थान के प्रति लगाव वाले प्रश्न में सुविधा और उससे जुड़ी निजी स्मृतियों का अंतर समझें।

**6(iii). सिल्वर वैडिंग की पार्टी देना यशोधर बाबू को 'समहाउ इंप्रोपर' क्यों लग रहा था ?** [1 अंक]

(A) पुराने ख्याल के होने के कारण

(B) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

(C) दिखावे में विश्वास न रखने के कारण

(D) पार्टी में होने वाले खर्च के कारण

**सही उत्तर:** (B) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

**हल:**

**अवधारणा:**

- विदेशी रीति और यशोधर बाबू की परंपरागत दृष्टि।
- उत्तर चुनते समय पाठ के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

**चरण 1:** प्रसंग का विश्लेषण यशोधर बाबू विवाह की पच्चीसवीं वर्षगाँठ पर आयोजित पार्टी को विदेशी रीति मानते हैं। उनकी सहज सांस्कृतिक मान्यताओं में इस प्रकार वर्षगाँठ मनाने की प्रथा नहीं है। इसलिए बच्चों का यह आयोजन उन्हें कुछ अनुचित या बेमेल लगता है।

**चरण 2:** विकल्पों की जाँच पुराने विचारों का होना उनके स्वभाव की सामान्य विशेषता है, पर प्रश्न इस पार्टी के अनुचित लगने का विशिष्ट कारण पूछता है। दिखावे से दूरी और खर्च की चिंता यहाँ निर्णायक कारण नहीं हैं। विदेशी कस्टम मानने वाला विकल्प प्रसंग से सीधे मेल खाता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही उत्तर (B) है: विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण।

**त्वरित सुझाव:** किसी पात्र की सामान्य विशेषता और प्रसंग में उसके बताए विशिष्ट कारण के बीच भेद कीजिए।

**6(iv). 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता पाठशाला से अधिक महत्त्व खेत तथा ढोर चराने को क्यों देते थे ?** [1 अंक]

(A) स्वयं अशिक्षित होने से

(B) खेतों से फ़सल मिलने से

(C) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से

(D) पढ़ने को बेकार का काम समझने से

**सही उत्तर:** (C) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से

**हल:**

**अवधारणा:**

- पिता की आर्थिक दृष्टि और खेती का प्रत्यक्ष लाभ।
- उत्तर चुनते समय पाठ के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

**चरण 1:** प्रसंग का विश्लेषण लेखक के पिता शिक्षा का महत्त्व नहीं समझते थे। वे बेटे को खेत के काम और पशु चराने में लगाकर रखना चाहते थे। उन्हें बेटे की पढ़ाई से उसके भविष्य में होने वाले लाभ का ध्यान नहीं था। दत्ता जी राव के हस्तक्षेप से ही वे उसे पाठशाला भेजने को तैयार हुए।

**चरण 2:** विकल्पों की जाँच अशिक्षित होना अपने आप में शिक्षा का विरोध करने का कारण नहीं है। खेतों से फसल मिलना खेती की सामान्य उपयोगिता बताता है, पिता की संकीर्ण सोच का पूरा कारण नहीं। पढ़ाई को बेकार मानना इसी सोच की अभिव्यक्ति है; शिक्षा का महत्त्व न समझना उसके मूल दृष्टिकोण को सबसे स्पष्ट रूप में बताता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से।

**त्वरित सुझाव:** पिता की सोच को लेखक की शिक्षा से भविष्य सँवारने की इच्छा के साथ रखकर मूल कारण पहचानिए।

**6(ix). आप किस आधार पर कह सकते हैं कि सिन्धु घाटी के दौर में व्यापार ही नहीं, उन्नत खेती भी होती थी ?** [1 अंक]

(A) गढ़ होने से

(B) बैलगाड़ी मिलने से

(C) कोठार होने से

(D) कुंड होने से

**सही उत्तर:** (C) कोठार होने से

**हल:**

**अवधारणा:**

- पुरातात्त्विक अवशेषों से कृषि की उन्नति का अनुमान।
- उत्तर चुनते समय पाठ के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

**चरण 1:** प्रसंग का विश्लेषण सिन्धु सभ्यता में कोठारों का होना अनाज के बड़े पैमाने पर संग्रह का प्रमाण है। इतना भंडारण तभी सार्थक होता है जब कृषि से पर्याप्त उपज मिलती हो। इसलिए कोठार उन्नत खेती और अतिरिक्त उत्पादन की ओर स्पष्ट संकेत करते हैं।

**चरण 2:** विकल्पों की जाँच गढ़ नगर की संरचना और सुरक्षा से जुड़ा है। बैलगाड़ी परिवहन का साधन है; उसका होना अकेले उन्नत खेती का उतना सीधा प्रमाण नहीं है। कुंड जल तथा स्नान व्यवस्था बताता है। अनाज रखने के कोठार खेती और उत्पादन से सीधे जुड़े होने के कारण सही प्रमाण हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: कोठार होने से।

**त्वरित सुझाव:** अवशेष का उपयोग पहचानिए: अनाज का भंडार कृषि की उपज का सबसे प्रत्यक्ष प्रमाण देता है।

**6(v). पाठशाला में पहुँचने के बाद लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया ?** [1 अंक]

(A) पढ़ाई में मन नहीं लगने के कारण

(B) पहचान के लड़के नहीं होने के कारण

(C) साथियों के अगली कक्षा में चले जाने के कारण

(D) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण

**सही उत्तर:** (D) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण

**हल:**

**अवधारणा:**

- पढ़ाई में अंतराल के बाद कक्षा में लौटने की मनःस्थिति।
- उत्तर चुनते समय पाठ के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

**चरण 1:** प्रसंग का विश्लेषण पाठशाला लौटकर लेखक को अपने से कम उम्र और कम समझ वाले बच्चों के साथ बैठना पड़ा। पढ़ाई में आए अंतराल के कारण उसकी स्थिति बदल चुकी थी। इसी असहजता और अपने पिछड़ जाने की अनुभूति से उसका मन खट्टा हो गया।

**चरण 2:** विकल्पों की जाँच पढ़ाई से मन हटना कारण नहीं है, क्योंकि लेखक पढ़ने के लिए संघर्ष करके लौटा था। परिचित लड़कों का न मिलना तथा पुराने साथियों का आगे बढ़ जाना परिस्थिति बताते हैं। लेकिन मन खट्टा होने का सबसे स्पष्ट कारण अपने से छोटे और कम समझ वाले बच्चों के साथ बैठने की विवशता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही उत्तर (D) है: अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण।

**त्वरित सुझाव:** लेखक की पढ़ने की इच्छा को ध्यान में रखकर उसकी निराशा का कारण कक्षा की परिस्थिति में खोजिए।

**6(vi). पाठशाला में सहपाठियों द्वारा तंग किए गए लेखक की तुलना किससे की गई है ?** [1 अंक]

(A) घायल गिलहरी से

(B) चूहा से

(C) कोयल से

(D) कौआ से

**सही उत्तर:** (D) कौआ से

**हल:**

**अवधारणा:**

- उपमा द्वारा असहायता और पीड़ा का चित्रण।
- उत्तर चुनते समय पाठ के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

**चरण 1:** प्रसंग का विश्लेषण सहपाठियों द्वारा तंग किए जाने पर लेखक अपनी दशा की तुलना कौए के बच्चे से करता है। खुले में रखे गए कौए के बच्चे को जैसे दूसरे कौए चारों ओर से चोंच मारते हैं, वैसे ही पाठशाला में लड़के उसे परेशान करते हैं। इससे उसका अकेलापन और असुरक्षा उभरते हैं।

**चरण 2:** विकल्पों की जाँच घायल गिलहरी, चूहा और कोयल पाठ में इस स्थिति के लिए प्रयुक्त तुलनाएँ नहीं हैं। यहाँ चोंच मारने और चारों ओर से घिरने का बिंब महत्त्वपूर्ण है। लेखक को अपनी ही पाठशाला चोट पहुँचाने वाली लगती है। इस विशेष प्रसंग का मेल कौए से होता है, इसलिए अन्य पशु-पक्षियों के नाम चुनना उचित नहीं होगा।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही उत्तर (D) है: कौआ से।

**त्वरित सुझाव:** प्रसंग में चोंच मारने वाले कौओं और बीच में असहाय कौए के बच्चे की छवि को याद रखिए।

**6(vii). लेखक का पाठशाला में विश्वास बढ़ने के क्या कारण थे ?** [1 अंक]

(A) शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार

(B) वसंत की दोस्ती

(C) केवल (a)

(D) (a) और (b) दोनों

**सही उत्तर:** (D) (a) और (b) दोनों

**हल:**

**अवधारणा:**

- विद्यालय में अपनत्व और मित्रता से विकसित आत्मविश्वास।
- उत्तर चुनते समय पाठ के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

**चरण 1:** प्रसंग का विश्लेषण लेखक को शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार मिला और वसंत की मित्रता भी प्राप्त हुई। शिक्षकों से प्रोत्साहन मिलने पर पढ़ाई में उसका भरोसा बढ़ा। मित्र का साथ मिलने से सहपाठियों के बीच उसका अकेलापन घटा और विद्यालय का वातावरण अधिक अनुकूल लगा।

**चरण 2:** विकल्पों की जाँच विकल्प (A) और (B) दोनों अलग-अलग सही कारण बताते हैं, लेकिन अकेले किसी एक को चुनने से दूसरा कारण छूट जाता है। केवल (a) वाला विकल्प भी मित्रता की भूमिका को छोड़ देता है। दोनों कारणों को एक साथ स्वीकार करने वाला (D) पूरे प्रसंग का उत्तर देता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही उत्तर (D) है: शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार और वसंत की दोस्ती, दोनों।

**त्वरित सुझाव:** संयुक्त विकल्प चुनने से पहले उसके दोनों कथनों को अलग-अलग पाठ के प्रसंग से सत्यापित कीजिए।

**6(viii). नगर नियोजन की अनूठी मिसाल किसे कहा गया है ?** [1 अंक]

(A) माया सभ्यता

(B) मुअनजो-दड़ो

(C) महाकुंड

(D) मेसोपोटामिया

**सही उत्तर:** (B) मुअनजो-दड़ो

**हल:**

**अवधारणा:**

- मुअनजो-दड़ो की व्यवस्थित नगर योजना।
- उत्तर चुनते समय पाठ के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

**चरण 1:** प्रसंग का विश्लेषण पाठ में मुअनजो-दड़ो को नगर नियोजन की अनूठी मिसाल कहा गया है। उसके व्यवस्थित रास्ते, भवनों का विन्यास और जल निकासी की योजना विकसित नागरिक जीवन का परिचय देते हैं। ये विशेषताएँ पूरे नगर की सोची-समझी बनावट को सामने लाती हैं।

**चरण 2:** विकल्पों की जाँच माया सभ्यता और मेसोपोटामिया अन्य सभ्यताओं के नाम हैं; इस प्रश्न में पाठ के वर्णित नगर की पहचान अपेक्षित है। महाकुंड उसी नगर का एक महत्त्वपूर्ण निर्माण है, पूरा नगर नहीं। इसलिए नगर नियोजन की समग्र मिसाल के रूप में मुअनजो-दड़ो ही उचित विकल्प है।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही उत्तर (B) है: मुअनजो-दड़ो।

**त्वरित सुझाव:** पूरे नगर की योजना और नगर के भीतर स्थित किसी एक निर्माण के बीच अंतर रखकर उत्तर चुनिए।

**6(x). मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग हुआ है ?** [1 अंक]

(A) मेलुहा

(B) उलेहा

(C) गढ़

(D) शिव

**सही उत्तर:** (A) मेलुहा

**हल:**

**अवधारणा:**

- प्राचीन शिलालेखों में प्रयुक्त ऐतिहासिक नाम।
- उत्तर चुनते समय पाठ के प्रसंग और विकल्पों के सटीक आशय का मिलान आवश्यक है।

**चरण 1:** प्रसंग का विश्लेषण मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो से जुड़े क्षेत्र के लिए मेलुहा नाम मिलता है। पाठ के संदर्भ में यही शब्द पूछा गया है। यह उल्लेख दोनों प्राचीन सभ्यताओं के बीच परिचय और संपर्क को समझने में सहायक है।

**चरण 2:** विकल्पों की जाँच उलेहा इस प्रसंग में प्रयुक्त ऐतिहासिक नाम नहीं है। गढ़ किसी नगर के ऊँचे अथवा सुरक्षित भाग को कह सकते हैं, लेकिन यहाँ पूछा गया शिलालेखीय नाम नहीं है। शिव भी इस प्रश्न में दिए गए स्थान का नाम नहीं है। इसलिए ध्वनि या सामान्य ऐतिहासिक संबंध से अनुमान लगाने के बजाय मेलुहा चुनना चाहिए।

**चरण 3:** निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: मेलुहा।

**त्वरित सुझाव:** शिलालेख संबंधी प्रश्न में स्थान का वर्तमान नाम और उसका प्राचीन उल्लेख अलग-अलग याद रखिए।

**7(क). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :**

**मेले में अभिन्न मित्र से भेंट** [6 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- रचनात्मक लेख में दिए गए विषय से जुड़ी घटना को कल्पना, संवेदना और सजीव भाषा से प्रस्तुत किया जाता है। यहाँ मेले का वातावरण और अभिन्न मित्र से अचानक मिलने का आनंद केंद्र में रहेगा।
- प्रथम पुरुष में वर्णन करने से अनुभव आत्मीय बनता है। लगभग 120 शब्दों में आरंभ, घटना और भावपूर्ण अंत का संतुलन रखें। अनावश्यक परिचय के स्थान पर दृश्य, संवाद और मनोभाव चुनें।

**चरण 1:** प्रारूप और घटनाक्रम की योजना उपयुक्त शीर्षक देकर मेले की भीड़, रोशनी और उत्साह से आरंभ करें। फिर परिचित आवाज़ सुनने, मित्र को पहचानने तथा उससे बातचीत करने का क्रम रखें। दोनों के पुराने संबंध का छोटा संकेत दें ताकि 'अभिन्न मित्र' होने का भाव स्पष्ट हो। अंत में भेंट से मिली खुशी या मित्रता की स्थायी महत्ता व्यक्त करें। रचनात्मक लेख में पत्र की तरह पता, संबोधन या हस्ताक्षर आवश्यक नहीं हैं।

**चरण 2:** भाव और भाषा का चयन मेले के दृश्य के लिए झूले, रंगीन दुकानें और जलेबी की खुशबू जैसे सीमित किंतु प्रभावी बिंब चुनें। भेंट की आत्मीयता को छोटा संवाद और दोनों की प्रतिक्रिया व्यक्त करें। पूरा वर्णन भूतकाल में रखें और घटनाओं को एक-दूसरे से जोड़ें। मित्रता पर लंबा उपदेश देने के बजाय उसकी अनुभूति घटना से प्रकट होने दें।

**चरण 3:** पूर्ण नमूना रचनात्मक लेख **मेले में अभिन्न मित्र से भेंट**

रविवार की शाम मैं गाँव के वार्षिक मेले में घूम रहा था। रंगीन झूलों, खिलौनों की दुकानों और गरम जलेबियों की खुशबू ने वातावरण को उत्सव बना दिया था। तभी पीछे से किसी ने मेरा नाम पुकारा। मुड़कर देखा तो मेरा अभिन्न मित्र रोहन सामने खड़ा था। दो वर्ष पहले उसके पिता का स्थानांतरण हो गया था। हम खुशी से गले मिले। क्षण भर में दूरी और समय की दीवार जैसे मिट गई। हमने साथ जलेबियाँ खाईं, झूला झूला और विद्यालय की शरारतें याद करके खूब हँसे। विदा लेते समय हमने फिर मिलने का वादा किया। लौटते हुए मेरे हाथ में खिलौना था, पर मन में मित्रता का अनमोल उपहार। उस दिन मेला सचमुच यादों का उत्सव बन गया।

**चरण 4:** निष्कर्ष इस लेख में मेले की सजीव पृष्ठभूमि, अप्रत्याशित भेंट और मित्रता का आत्मीय अनुभव एक क्रम में प्रस्तुत हैं। शीर्षक और लगभग 120 शब्दों का मुख्य लेख दिए गए विषय की अपेक्षा पूरी करते हैं।

**त्वरित सुझाव:** मेले का वर्णन दो-तीन बिंबों तक रखें और अधिक स्थान मित्र से भेंट तथा उससे उपजी खुशी को दें।

**7(ख). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :**

**जब मैं समुद्र की लहरों में घिर गया** [6 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- अनुभवपरक रचनात्मक लेख में घटनाओं के साथ लेखक की मन:स्थिति भी उभरती है। इस विषय में समुद्र का आकर्षण, अचानक उत्पन्न संकट और सुरक्षित बचने का अनुभव क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
- प्रथम पुरुष, सजीव बिंब और संक्षिप्त घटनाक्रम पाठक को अनुभव से जोड़ते हैं। लगभग 120 शब्दों के लेख में आरंभ, संकट का चरम और सार्थक अंत हों। कल्पना विषयानुकूल और घटना विश्वसनीय रहे।

**चरण 1:** प्रारूप और विषयवस्तु की योजना शीर्षक के बाद समुद्र तट पर पहुँचने का संक्षिप्त परिचय दें। लहरों के आकर्षण में आगे बढ़ना, अचानक ऊँची लहर आना, भय अनुभव करना और प्रशिक्षित बचावकर्मी की सहायता मिलना घटनाक्रम बने। अंत में घटना से प्राप्त सावधानी का बोध व्यक्त करें। लेख का केंद्र समुद्र में घिरने का अनुभव हो; यात्रा के अन्य विवरणों पर शब्द खर्च न करें।

**चरण 2:** वर्णन को प्रभावी बनाएँ जल का खारापन, लहरों की गर्जना और खिसकती रेत जैसे अनुभव भय को सजीव बनाएँगे। भावों का क्रम उत्साह से घबराहट और फिर राहत की ओर रखें। भाषा सरल और घटनाओं का संबंध स्पष्ट हो। बचाव का वर्णन संक्षिप्त रखें तथा

संकट को साहसिक खेल की तरह प्रस्तुत करने के बजाय सुरक्षा का महत्त्व घटना से उभरने दें।

**चरण 3:** पूर्ण नमूना रचनात्मक लेख **जब मैं समुद्र की लहरों में घिर गया**

पहली बार समुद्र देखकर मेरा उत्साह सीमा पार कर गया। सुनहरी रेत पर चलते हुए मैं लहरों से खेलने लगा। परिवार की चेतावनी भूलकर मैं कुछ आगे बढ़ गया। अचानक एक ऊँची लहर आई और मेरा संतुलन बिगड़ गया। पैरों के नीचे की रेत खिसकने लगी। खारा पानी मुँह में भर गया और किनारा बहुत दूर लगने लगा। मैंने घबराकर सहायता के लिए पुकारा। तभी तट पर तैनात बचावकर्मी ने मेरी आवाज़ सुनी। उसने मेरी ओर बचाव का छल्ला फेंका, जिसे मैंने कसकर पकड़ लिया। कुछ ही देर में उसने मुझे सुरक्षित किनारे पहुँचा दिया। माँ ने मुझे गले लगाया तो मेरी आँखें भर आईं। उस दिन समझा कि प्रकृति का आनंद सावधानी और अनुशासन के साथ ही लेना चाहिए।

**चरण 4:** निष्कर्ष यह लेख उत्साह, संकट और राहत के भावों को क्रम से सामने लाता है। लगभग 120 शब्दों का मुख्य लेख विषय को पूरा करता है और अंत में अनुभव से प्राप्त सावधानी का संदेश देता है।

**त्वरित सुझाव:** संकट वाले रचनात्मक लेख में पहले आकर्षण, फिर अचानक घटना और अंत में राहत दिखाएँ; मुख्य अनुभव से न भटकें।

---

**7(ग). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :**

**नकली सामान, भरपूर विज्ञापन** [6 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- रचनात्मक लेख में विषय से जुड़ा दृश्य, अनुभव अथवा विचार कल्पनाशील ढंग से प्रस्तुत किया जाता है। भाषा सहज, प्रभावपूर्ण और विषय के अनुरूप होनी चाहिए।
- इस विषय का केंद्र चमकदार विज्ञापन और वस्तु की वास्तविक गुणवत्ता के बीच अंतर है। उपभोक्ता का आकर्षण, धोखा और सजगता लेख को एक सूत्र में बाँधेंगे।

**चरण 1:** विषय की रूपरेखा बनाएँ पहले विज्ञापन की चमक का कोई परिचित दृश्य चुनें, जैसे मोबाइल पर दिखाई देती बिक्री। फिर सस्ते और ब्रांड जैसे दिखने वाले सामान के प्रति आकर्षण दिखाएँ। वस्तु मिलने पर उसका दोष सामने आने दें। अंत में जाँच और विवेक का संदेश दें। इससे लेख केवल शिकायतों की सूची न बनकर अनुभव और विचार का संगठित रूप बनेगा।

**चरण 2:** भाषा और प्रस्तुति तय करें संक्षिप्त शीर्षक रखें और लगभग 120 शब्दों में विचार पूरा करें। विज्ञापन और गुणवत्ता का विरोधाभास प्रभावी वाक्यों से उभारें। किसी वास्तविक कंपनी पर अप्रमाणित आरोप लगाने के स्थान पर सामान्य उपभोक्ता अनुभव लें। रचनात्मक लेख में पत्र की तरह पता, संबोधन या हस्ताक्षर आवश्यक नहीं हैं।

**चरण 3:** पूर्ण नमूना लेख **नकली सामान, भरपूर विज्ञापन**

मोबाइल की स्क्रीन पर जूतों का विज्ञापन चमका। नाम किसी प्रसिद्ध कंपनी जैसा, तस्वीर शानदार और कीमत अविश्वसनीय! मैंने तुरंत खरीद लिया। डिब्बा खुला तो चमक गायब थी; दूसरे दिन ही जूते का तला मुसकराता हुआ अलग हो गया। तब समझ आया कि विज्ञापन की आवाज़ ऊँची होने से सामान की गुणवत्ता ऊँची नहीं होती। आज नकली सामान सुंदर पैकिंग और आकर्षक दावों की आड़ में बिक रहा है। उसका प्रचार खरीददार के सपनों को पकड़ता है, जरूरत को नहीं। इस छल से बचने के लिए बिल लेना, विक्रेता की विश्वसनीयता जाँचना और प्रमाणित उत्पाद चुनना आवश्यक है। हमें प्रसिद्ध चेहरे की सिफारिश से अधिक अपनी समझ पर भरोसा करना होगा। आखिर जेब हमारी है, तो निर्णय भी हमारा होना चाहिए।

**चरण 4:** निष्कर्ष लेख आकर्षक विज्ञापन से उत्पन्न प्रलोभन, नकली वस्तु से हुए मोहभंग और जागरूक खरीदारी की आवश्यकता को एक छोटे अनुभव के माध्यम से व्यक्त करता है।

**त्वरित सुझाव:** विज्ञापन की चमक और वस्तु की खराब गुणवत्ता का एक छोटा दृश्य बनाएँ; अंत में बिल और विक्रेता की जाँच का ठोस सुझाव दें।

**7(घ). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :**
**बदलते सामाजिक रीतिरिवाज** [6 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- सामाजिक रीति-रिवाज समय के साथ बदलते हैं। रचनात्मक लेख में ऐसे बदलाव को किसी सजीव प्रसंग के माध्यम से प्रस्तुत करके उसके सामाजिक अर्थ स्पष्ट किए जा सकते हैं।
- संतुलित दृष्टि में परंपरा की आत्मीयता और परिवर्तन की उपयोगिता दोनों का स्थान होता है। केवल पुराने को अच्छा या नए को बुरा कहने से विषय का विवेचन अधूरा रहता है।

**चरण 1:** अनुभव से विचार की ओर बढ़ें विवाह का कोई दृश्य लेकर पुरानी और नई प्रथाओं का अंतर दिखाएँ। निमंत्रण, आयोजन, स्त्री-पुरुष की भागीदारी और दिखावे में आए बदलावों में से कुछ उदाहरण चुनें। हर बदलाव को एक जैसा न मानें; समानता और सादगी को आगे बढ़ाने वाले परिवर्तन की उपयोगिता बताएँ। संबंधों की आत्मीयता को अंतिम विचार का आधार बनाएँ।

**चरण 2:** लेख की संरचना तय करें विषयानुकूल शीर्षक के बाद लगभग 120 शब्दों में आरंभ, विस्तार और समापन रखें। आरंभ का दृश्य आगे के विचारों से जुड़ा हो। वाक्य छोटे और प्रवाहपूर्ण रखें। रचनात्मकता का अर्थ विषय से हटकर कल्पना करना नहीं है; चुने हुए अनुभव से सामाजिक बदलाव की सार्थक समझ उभरनी चाहिए। नीचे दिया गया लेख इसी योजना पर आधारित है।

**चरण 3:** पूर्ण नमूना लेख **बदलते सामाजिक रीति-रिवाज**

दादी ने पूछा, "शादी का निमंत्रण कहाँ है?" मैंने मोबाइल आगे कर दिया। वे हँस पड़ीं, "अब न्योता भी स्क्रीन पर आता है!" सचमुच, हमारे रीति-रिवाज नए रूप ले रहे हैं। लंबे समारोह छोटे होने लगे हैं और कई परिवार सादे विवाह पसंद करते हैं। बेटियाँ भी उन कार्यों में भाग ले रही हैं जिन्हें कभी केवल बेटों का अधिकार माना जाता था। ये बदलाव समानता और सुविधा का स्वागत करते हैं। फिर भी हर नई प्रथा अच्छी नहीं; महँगे प्रदर्शन और तस्वीरों की होड़ रिश्तों की गर्माहट घटा सकती है। हमें परंपरा की आत्मीयता बचाते हुए रूढ़ियों को छोड़ना होगा। रीति वही सार्थक है जो मनुष्यों को जोड़े, बोझ न बने। समय के साथ रूप बदले, पर संवेदना बनी रहे।

**चरण 4:** निष्कर्ष लेख निमंत्रण के बदलते माध्यम से आरंभ होकर सामाजिक समानता, सादगी और आत्मीयता के मूल्य सामने रखता है। उपयोगी परिवर्तन स्वीकार करना और रूढ़ियों से मुक्त होना इसका केंद्रीय विचार है।

**त्वरित सुझाव:** किसी समारोह का पुराना और नया दृश्य साथ रखें; फिर बताएँ कि कौन-सा परिवर्तन समानता बढ़ाता है और कौन-सा केवल दिखावा है।

**8(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**
**कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवाद लेखन की महत्त्वपूर्ण शर्तों को स्पष्ट कीजिए।** [3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- नाट्य रूपांतरण में कथावाचक का वर्णन पात्रों के संवाद और मंचीय क्रिया में बदलता है। संवाद बोलने और अभिनय करने योग्य होने चाहिए।
- संवाद पात्र के स्वभाव, आयु, सामाजिक परिवेश और परिस्थिति के अनुकूल हों; उनका उद्देश्य कथानक को आगे बढ़ाना और चरित्र उभारना है।

**चरण 1:** संवाद की भाषा और उपयोगिता पहचानें कहानी पढ़ते समय कथावाचक घटनाओं और मन:स्थितियों की जानकारी दे सकता है। नाटक में वही जानकारी पात्रों की बातचीत और क्रिया से सामने आती है। इसलिए पुस्तक की वर्णनात्मक भाषा को ज्यों का त्यों संवाद नहीं बना देना चाहिए। भाषा सहज, स्वाभाविक, संक्षिप्त तथा उच्चारण और अभिनय के अनुकूल हो। संवाद किसी दूसरे पात्र की बात या मंच पर घट रही घटना से जुड़ा हो। संवाद के माध्यम से ऐसी बात सामने आनी चाहिए जिसका पात्रों की स्थिति या आगे की घटना से संबंध हो। केवल पाठक को सूचना देने के लिए लंबा भाषण लिखना नाटकीयता को कमजोर करता है।

**चरण 2:** लगभग 60 शब्दों में उत्तर कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवाद संक्षिप्त, स्वाभाविक, बोलचाल के तथा अभिनय योग्य होने चाहिए। उनकी भाषा पात्रों की आयु, स्वभाव, सामाजिक स्थिति और परिस्थिति के अनुकूल हो। संवाद कथानक को आगे बढ़ाएँ, चरित्र की विशेषताएँ उभारें और पात्रों के पारस्परिक संबंध स्पष्ट करें। अनावश्यक वर्णन तथा दोहराव से बचें। संवादों में संघर्ष, भाव और नाटकीय प्रभाव भी बना रहना चाहिए।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः पात्रानुकूलता, संक्षिप्तता, स्वाभाविकता और कथानक की गति प्रभावी नाटकीय संवाद की प्रमुख शर्तें हैं।

**त्वरित सुझाव:** उत्तर लिखते समय भाषा, पात्रानुकूलता और नाटकीय कार्य—इन तीन आधारों पर संवाद की शर्तें व्यवस्थित करें।

**8(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**

**रेडियो नाटक में आवाज की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।** [3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; श्रोता पात्रों, स्थान और घटनाओं को देख नहीं सकता। इसलिए आवाज दृश्य संसार की कल्पना कराती है।
- पात्रों की वाणी, संवाद-अदायगी, ध्वनि-प्रभाव और संगीत मिलकर वातावरण, भाव तथा नाटकीय क्रिया का संकेत देते हैं।

**चरण 1:** श्रव्य माध्यम की आवश्यकता समझें मंचीय नाटक में वेशभूषा, चेहरे के भाव और दृश्य सज्जा दिखाई देते हैं। रेडियो पर इनके अभाव में स्वर, लय, उतार-चढ़ाव, विराम और बोलने का ढंग अर्थ पहुँचाते हैं। अलग-अलग आवाजें पात्रों की पहचान बनाती हैं। कदमों, दरवाजे या वर्षा जैसी ध्वनियाँ क्रिया और वातावरण का संकेत दे सकती हैं। इसलिए ध्वनि का चयन कथा के अनुरूप और स्पष्ट होना चाहिए। श्रोता को यह समझने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए कि कौन बोल रहा है और घटना कहाँ घट रही है। इसलिए आवाजों का भेद, संवादों की स्पष्टता और ध्वनि-प्रभावों का संतुलन नाटक के संप्रेषण के लिए आवश्यक है।

**चरण 2:** लगभग 60 शब्दों में उत्तर रेडियो नाटक पूर्णतः श्रव्य माध्यम है, इसलिए आवाज उसकी केंद्रीय शक्ति है। पात्रों की आवाज, स्वर के उतार-चढ़ाव, गति और विराम से उनका व्यक्तित्व, भाव तथा मनःस्थिति स्पष्ट होते हैं। संवाद, ध्वनि-प्रभाव और संगीत स्थान, समय, वातावरण तथा घटनाओं का बोध कराते हैं। इस प्रकार आवाज श्रोता के मन में दृश्य रचकर नाटक को सजीव और प्रभावशाली बनाती है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः रेडियो नाटक में आवाज पात्र, भाव, वातावरण और दृश्यात्मक कल्पना की रचना का मुख्य साधन है।

**त्वरित सुझाव:** उत्तर में केवल संवाद न लिखें; आवाज की भूमिका समझाते समय स्वर, ध्वनि-प्रभाव और श्रोता की दृश्य-कल्पना भी जोड़ें।

**8(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**

**नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की तुलना खुले मैदान से क्यों की गई है ?** [3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- अप्रत्याशित विषय पूर्वरचित उत्तर दोहराने के स्थान पर स्वतंत्र चिंतन, कल्पना और मौलिक अभिव्यक्ति का अवसर देते हैं।
- खुले मैदान का रूपक अनेक संभावित दिशाओं का संकेत है; लेखक अनुभव, विचार और उदाहरणों के सहारे अपना मार्ग बनाता है।

**चरण 1:** खुले मैदान की तुलना का अर्थ खोलें खुले मैदान में व्यक्ति को किसी एक बनी-बनाई पगडंडी पर चलने की बाध्यता नहीं होती। इसी तरह नए विषय पर लिखते समय पहले से रटा हुआ ढाँचा निर्णायक नहीं होता। लेखक विषय के विभिन्न पक्ष खोजता है और अपने अनुभवों से संबंध बनाता है। यह स्वतंत्रता विषय से भटकने की छूट नहीं है; विचारों को चुने हुए केंद्रीय भाव से जोड़ना आवश्यक रहता है। लेखक किसी सामान्य अनुभव से आरंभ कर सकता है, फिर उससे जुड़े विचारों को क्रम देकर निष्कर्ष तक पहुँच सकता है। इस अभ्यास

में विषय को स्वयं समझने और अपनी भाषा में प्रस्तुत करने की क्षमता सामने आती है।

**चरण 2:** लगभग 60 शब्दों में उत्तर नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन खुले मैदान जैसा है, क्योंकि उसमें विचार करने की अनेक दिशाएँ खुली रहती हैं। लेखक किसी रटे-रटाए उत्तर या निश्चित ढाँचे से बँधा नहीं होता। वह अपने अनुभव, कल्पना और स्वतंत्र चिंतन से विषय के नए पक्ष खोजता है तथा अभिव्यक्ति का अपना मार्ग बनाता है। इस स्वतंत्रता से मौलिकता और रचनात्मक क्षमता का विकास होता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष अतः यह तुलना स्वतंत्र चिंतन की अनेक दिशाओं और लेखक द्वारा अपना मौलिक मार्ग बनाने के अवसर को स्पष्ट करती है।

**त्वरित सुझाव:** तुलना का उत्तर देते समय खुले मैदान की स्वतंत्र दिशाओं को लेखन के स्वतंत्र विचारों और मौलिक अभिव्यक्ति से जोड़ें।

---

**9(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :**

**मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं ? मुद्रित माध्यमों की विशेषता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।** [4 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- मुद्रित माध्यम में सूचना और विचार कागज़ पर छपे शब्दों तथा चित्रों के माध्यम से पाठक तक पहुँचते हैं। समाचारपत्र, पत्रिकाएँ और पुस्तकें इसके प्रमुख उदाहरण हैं।
- इसकी विशेषताओं का विवेचन पाठक की सुविधा, सामग्री के स्थायित्व और लिखित भाषा की आवश्यकता के आधार पर किया जाता है।

**चरण 1:** परिभाषा और उदाहरण पहचानिए प्रश्न में पहले मुद्रित माध्यम का अर्थ स्पष्ट करना है। इसलिए केवल समाचारपत्र की चर्चा पर्याप्त नहीं होगी; पत्रिका और पुस्तक को भी उदाहरण बनाना चाहिए। सूचना के छपे हुए रूप और उसे पढ़कर ग्रहण करने की प्रक्रिया को परिभाषा में रखना आवश्यक है।

**चरण 2:** मुख्य विशेषताओं को क्रम दीजिए पाठक अपनी गति और सुविधानुसार पढ़ सकता है, पहले पढ़ी सामग्री पर लौट सकता है तथा महत्त्वपूर्ण सामग्री सुरक्षित रख सकता है। विस्तृत विश्लेषण और संपादन की सुविधा इसकी उपयोगिता बढ़ाती है। साथ ही, पढ़ना जानना आवश्यक है और तत्काल अद्यतन करना इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की तुलना में कठिन है। इन बिंदुओं में सुविधा और सीमा दोनों स्पष्ट हैं।

**चरण 3:** लगभग 80 शब्दों में उत्तर कागज़ पर छपे शब्दों और चित्रों द्वारा सूचना, विचार तथा ज्ञान पहुँचाने वाले साधन मुद्रित माध्यम कहलाते हैं। समाचारपत्र, पत्रिकाएँ और पुस्तकें इसके उदाहरण हैं। इनमें पाठक अपनी रुचि, गति और सुविधानुसार पढ़ सकता है। सामग्री को बार-बार पढ़ना, सुरक्षित रखना और संदर्भ के लिए उपयोग करना संभव है। इनमें विस्तृत विवेचन तथा संपादन की सुविधा होती है। हालाँकि इनके उपयोग के लिए साक्षरता आवश्यक है और छपने के बाद सामग्री तुरंत बदली नहीं जा सकती।

**चरण 4:** निष्कर्ष मुद्रित माध्यम पढ़ने की स्वतंत्रता, सामग्री के संरक्षण और विस्तृत विश्लेषण का अवसर देता है; उसकी पहुँच साक्षरता पर निर्भर करती है।

**त्वरित सुझाव:** परिभाषा और उदाहरण के बाद अपनी गति से पढ़ना, पुनर्पाठ और संरक्षण की विशेषताएँ अवश्य जोड़ें।

**9(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :**

**समाचार लेखन के समय प्राय: किन प्रश्नों का जवाब देने की कोशिश की जाती है ? इन्हें किस रूप में जाना जाता है ? समाचार के मुखड़े, बॉडी और समापन में किन प्रश्नों को आधार बनाया जाता है ?** [4 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- समाचार किसी घटना की तथ्यात्मक और स्पष्ट जानकारी देता है। उसके बुनियादी प्रश्न हैं—क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे। इन्हें छह ककार कहा जाता है।
- उलटा पिरामिड शैली में सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य पहले आते हैं। मुखड़ा मुख्य सूचना देता है, बॉडी उसका विस्तार करती है और समापन कम महत्त्वपूर्ण विवरण समेटता है।

**चरण 1:** छह प्रश्नों का प्रयोजन समझिए क्या से घटना, कौन से संबंधित व्यक्ति, कहाँ से स्थान और कब से समय का पता चलता है। क्यों कारण तथा कैसे घटनाक्रम या प्रक्रिया स्पष्ट करता है। इन छह पक्षों से समाचार की मुख्य जिज्ञासाओं का समाधान होता है। उत्तर में इनके सामूहिक नाम के साथ मुखड़े, बॉडी और समापन का संबंध भी बताना आवश्यक है।

**चरण 2:** समाचार के भागों से संबंध जोड़िए मुखड़े में सामान्यत: क्या, कौन, कहाँ और कब को प्राथमिकता मिलती है। बॉडी में क्यों और कैसे का विस्तार होता है; वहाँ मुख्य तथ्यों की पृष्ठभूमि तथा प्रमाण भी दिए जाते हैं। समापन में शेष उपयोगी जानकारी आती है। यह क्रम कठोर नियम नहीं है: किसी समाचार में कारण या तरीका सबसे महत्त्वपूर्ण हो तो वह मुखड़े में भी आ सकता है।

**चरण 3:** लगभग 80 शब्दों में उत्तर समाचार लेखन में क्या हुआ, किसके साथ हुआ, कहाँ हुआ, कब हुआ, क्यों हुआ और कैसे हुआ—इन प्रश्नों के उत्तर दिए जाते हैं। इन्हें छह ककार कहते हैं। समाचार के मुखड़े में सामान्यत: क्या, कौन, कहाँ और कब संबंधी मुख्य सूचना दी जाती है। बॉडी में क्यों और कैसे के आधार पर कारण, घटनाक्रम तथा पृष्ठभूमि का विस्तार होता है। समापन में शेष प्रासंगिक, अपेक्षाकृत कम महत्त्वपूर्ण विवरण दिए जाते हैं। समाचार की प्रकृति के अनुसार इस क्रम में परिवर्तन संभव है।

**चरण 4:** निष्कर्ष छह ककार समाचार को पूर्ण बनाते हैं; उनके उत्तर उलटा पिरामिड शैली में महत्त्व के घटते क्रम से प्रस्तुत किए जाते हैं।

**त्वरित सुझाव:** छह ककार गिनाने के बाद मुखड़े में मुख्य तथ्य, बॉडी में कारण-प्रक्रिया और समापन में शेष विवरण का क्रम लिखें।

---

**9(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :**

**पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करते हुए पूर्णकालिक पत्रकार और स्वतंत्र पत्रकार के अंतर को स्पष्ट कीजिए।** [4 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- पत्रकारीय लेखन जनसंचार माध्यमों के लिए तथ्यों और सूचनाओं पर आधारित लेखन है। इसका उद्देश्य पाठक को सही और उपयोगी जानकारी देना है।
- पत्रकारों का वर्गीकरण उनके रोजगार और संस्था से संबंध के आधार पर किया जाता है। पूर्णकालिक, अंशकालिक और स्वतंत्र पत्रकार प्रमुख प्रकार हैं।

**चरण 1:** परिभाषा और वर्गीकरण समझें इस प्रश्न में पहले पत्रकारीय लेखन का अर्थ बताना है, फिर पत्रकारों के प्रकार गिनाने हैं। समाचार, रिपोर्ट, फीचर और संपादकीय जैसे लेखन इसके अंतर्गत आते हैं। तथ्यपरकता, स्पष्टता और सार्वजनिक महत्त्व इसकी आधारभूत विशेषताएँ हैं। पत्रकारों के प्रकार लिखते समय समाचार की विधाओं को पत्रकारों के प्रकार न मानें।

**चरण 2:** पूर्णकालिक और स्वतंत्र पत्रकार का अंतर पूर्णकालिक पत्रकार किसी एक समाचार संस्था का नियमित कर्मचारी होता है। उसे नियमित वेतन मिलता है और वह संस्था के निर्धारित दायित्व निभाता है। स्वतंत्र पत्रकार किसी एक संस्था का नियमित वेतनभोगी कर्मचारी नहीं होता। वह अलग-अलग समाचारपत्रों, पत्रिकाओं या माध्यमों के लिए सामग्री तैयार करता है और सामान्यत: प्रकाशित अथवा स्वीकृत रचना के आधार पर पारिश्रमिक पाता है।

**चरण 3:** लगभग 80 शब्दों में आदर्श उत्तर समाचारपत्र, पत्रिका तथा अन्य जनसंचार माध्यमों के लिए तथ्यपरक समाचार, रिपोर्ट, फीचर आदि लिखना पत्रकारीय लेखन कहलाता है। पत्रकार मुख्यत: पूर्णकालिक, अंशकालिक और स्वतंत्र होते हैं। पूर्णकालिक पत्रकार किसी एक समाचार संस्था का नियमित कर्मचारी होता है और निश्चित मासिक वेतन पाता है। उसे संस्था द्वारा सौंपे गए दायित्व निभाने होते हैं। स्वतंत्र पत्रकार किसी एक संस्था से नियमित रूप से बँधा नहीं होता। वह विभिन्न समाचारपत्रों और पत्रिकाओं के लिए लिखता है तथा अपनी रचनाओं के लिए निर्धारित पारिश्रमिक प्राप्त करता है।

**चरण 4:** निष्कर्ष पूर्णकालिक पत्रकार की नियमित संस्थागत नियुक्ति और स्वतंत्र पत्रकार की रचना के आधार पर कार्य करने की स्वतंत्रता दोनों के बीच मुख्य अंतर है।

**त्वरित सुझाव:** पत्रकार के प्रकार बताते समय नियुक्ति, नियमित वेतन और एक या अनेक संस्थाओं के लिए काम करने के आधार पर तुलना करें।

**10(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**

**'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि रावण की बात सुनकर कुंभकरण क्यों बिलखने लगा था।** [3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- कुंभकरण का विलाप रावण के कर्म और उसके अनिवार्य परिणाम का बोध कराता है। प्रसंग में सीता को जगज्जननी और रावण के हित की अधिष्ठात्री शक्ति कहा गया है।
- कारण स्पष्ट करते समय सीता-हरण, रावण के अहित और कुल के विनाश की आशंका को परस्पर जोड़ना आवश्यक है।

**चरण 1:** रावण की बात से मिली जानकारी रावण ने कुंभकरण को सीता-हरण और राम के साथ चल रहे संघर्ष का वृत्तांत सुनाया। यह सुनकर कुंभकरण को समझ में आया कि रावण ने साधारण शत्रुता नहीं मोल ली, बल्कि ऐसा अपराध किया है जो उसके अपने हित के विरुद्ध है। प्रश्न कुंभकरण के बिलखने का कारण पूछता है, इसलिए उत्तर में राम के शोक का वर्णन नहीं करना चाहिए।

**चरण 2:** कुंभकरण के शोक का आधार प्रसंग की पंक्ति 'जगदंबा हरि आनि अब सठ चाहत कल्यान' रावण की मूर्खता की ओर संकेत करती है। कुंभकरण सीता को जगत की माता मानता है। रावण उन्हीं का अपहरण करके अपना कल्याण चाहता है। कुंभकरण इस विरोधाभास और रावण के भावी विनाश को पहचानता है। उसकी व्यथा रावण के अनुचित कर्म तथा उसके घातक परिणाम को लेकर है।

**चरण 3:** लगभग 60 शब्दों में आदर्श उत्तर रावण से सीता-हरण का वृत्तांत सुनकर कुंभकरण बिलखने लगा। वह जानता था कि सीता जगज्जननी हैं और रावण के कल्याण का आधार भी वही हैं। उनका अपहरण करके रावण अपने ही हित का नाश कर बैठा था। कुंभकरण को लगा कि इस अपराध के कारण अब रावण और उसके कुल का विनाश निश्चित है; इसलिए वह अत्यंत दुखी हुआ।

**चरण 4:** निष्कर्ष कुंभकरण रावण के सीता-हरण जैसे आत्मघाती अपराध और उससे होने वाले कुल-विनाश का बोध होने के कारण बिलखने लगा।

**त्वरित सुझाव:** सीता को जगज्जननी मानने, उनके हरण और रावण के अनिष्ट—इन तीन बातों को जोड़कर कारण स्पष्ट करें।

**10(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**

**'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए कि बादलों की रणभेरी को सुनकर सोये हुए अंकुरों में किस प्रकार की चेतना उभरती है।**

[3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- निराला की कविता में बादल क्रांति और परिवर्तन के प्रतीक हैं। उनकी गर्जना रणभेरी बनकर नई सृष्टि और संघर्ष का आह्वान करती है।
- सोए अंकुरों में छिपी जीवन-शक्ति बादलों के आह्वान से जागती है। अंकुर आशा से सिर उठाकर नवजीवन का स्वागत करते हैं।

**चरण 1:** बादलों की रणभेरी का आशय रणभेरी युद्ध या संघर्ष की तैयारी का संकेत देती है। कविता में बादल की गर्जना परिवर्तन की ऐसी ही पुकार बनती है। उसका प्रभाव केवल बाहरी प्रकृति पर नहीं पड़ता; वह मिट्टी में छिपे बीजों और अंकुरों की सुप्त शक्ति को भी जगाती है। अत: यहाँ चेतना का अर्थ भय से सिकुड़ना नहीं, जीवन और विकास के लिए उत्साह से भरना है।

**चरण 2:** अंकुरों की प्रतिक्रिया से भाव स्पष्ट करें कवि के अनुसार सोए अंकुर सजग होकर धरती में छिपे रहते हुए भी आशा से सिर उठाते हैं। वे बादलों को बार-बार निहारते हैं, क्योंकि वर्षा उनके पोषण और विकास का आधार है। प्रतीकात्मक स्तर पर ये अंकुर परिवर्तन की प्रतीक्षा करती नई शक्तियाँ हैं। बादलों की पुकार उनमें साहस, आशा और आगे बढ़ने की प्रेरणा जगाती है।

**चरण 3:** लगभग 60 शब्दों में आदर्श उत्तर बादलों की रणभेरी सुनकर सोए हुए अंकुर सजग हो उठते हैं। उनमें नई जीवन-शक्ति, आशा और उत्साह जागता है। वे धरती के भीतर छिपे होने पर भी सिर उठाकर बादलों को बार-बार निहारते हैं। बादल उन्हें पोषण और विकास का भरोसा देते हैं। प्रतीकात्मक रूप से यह क्रांति की पुकार से नई शक्तियों में जागती चेतना और परिवर्तन की आकांक्षा है।

**चरण 4:** निष्कर्ष बादलों की रणभेरी अंकुरों में सजगता, नवजीवन की आशा और विकास की उत्सुकता जगाती है।

**त्वरित सुझाव:** अंकुरों की प्रतिक्रिया को क्रम से लिखें: सजग होना, आशा से सिर उठाना और बादलों की ओर बार-बार देखना।

**10(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**
**'उषा' कविता के संदर्भ में लिखिए कि उषा का जादू टूटने से आप क्या समझते हैं।** [3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- कविता में सूर्योदय से पहले के आकाश का बदलता सौंदर्य रंगों और घरेलू उपमानों से व्यक्त हुआ है।
- उषा का जादू भोर के क्षणिक, सम्मोहक सौंदर्य का प्रतीक है; सूर्योदय उसकी समाप्ति का संकेत है।

**चरण 1:** बिंबों का संदर्भ समझिए कवि भोर के आकाश में नीले, श्वेत और लाल रंगों के परिवर्तन देखता है। कभी वह राख से लीपा गीला चौका लगता है, तो कभी लाल केसर से धुली सिल जैसा। इन परिचित उपमानों से सुबह का दृश्य रहस्यमय और आकर्षक बनता है। यह सुंदरता स्थिर नहीं, निरंतर बदलती हुई है।

**चरण 2:** समाप्ति का संकेत पहचानिए कविता के अंत में जादू टूटने और सूर्योदय का सीधा संबंध है। प्रकाश बढ़ने पर भोर की धुँधली, रंगमयी आकृतियाँ स्पष्ट दिन के दृश्य में बदल जाती हैं। अत: जादू टूटना निराशा या किसी निजी सपने के नष्ट होने का संकेत नहीं है। यह प्रकृति की उसी परिवर्तनशील प्रक्रिया का सहज परिणाम है जिसने पहले इतने सुंदर बिंब रचे थे।

**चरण 3:** लगभग 60 शब्दों में उत्तर उषा का जादू सूर्योदय से पहले आकाश में बिखरे रंगों और बदलते दृश्यों का सम्मोहन है। भोर का आकाश कभी राख से लीपे चौके, कभी केसर लगी सिल और कभी नीले जल में झिलमिलाती गोरी देह जैसा लगता है। सूर्य निकलते ही ये रंगीन छवियाँ मिटने लगती हैं और दिन का स्पष्ट प्रकाश फैल जाता है। इसी को उषा का जादू टूटना कहा गया है।

**चरण 4:** निष्कर्ष उषा का जादू टूटने का अर्थ सूर्योदय के साथ भोर के रंगीन, सम्मोहक सौंदर्य का समाप्त होना है।

**त्वरित सुझाव:** उत्तर में भोर के बदलते बिंबों और सूर्योदय के संबंध को स्पष्ट कीजिए; इसे किसी चमत्कार का टूटना न समझिए।

**11(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :**
**'कविता के बहाने' कविता के आधार पर लिखिए कि कविता की उड़ान चिड़िया क्यों नहीं जानती।** [2 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- चिड़िया की वास्तविक उड़ान की सीमा है, जबकि कविता की कल्पना स्थान और समय की सीमाओं को लाँघ सकती है।

- कविता की उड़ान का अर्थ सृजनात्मक कल्पना और भावों का असीम विस्तार है।

**चरण 1:** तुलना का आधार पहचानिए कवि चिड़िया के उड़ने को कविता की उड़ान समझाने का माध्यम बनाता है। चिड़िया शरीर और पंखों से उड़ती है, इसलिए उसकी पहुँच सीमित रहती है। कविता संवेदना और कल्पना से मनुष्य के भीतर तथा बाहर के संसार तक पहुँचती है। यहाँ उड़ान का प्रयोग कल्पना के विस्तार के लिए हुआ है। इसीलिए कवि दोनों उड़ानों में अंतर बताते हैं।

**चरण 2:** लगभग 40 शब्दों में उत्तर चिड़िया की उड़ान उसके पंखों की शक्ति और आकाश की भौतिक सीमाओं तक है। कविता की उड़ान कल्पना और संवेदना की उड़ान है, जो देश, काल तथा भीतर-बाहर की सीमाएँ पार कर सकती है। इसलिए चिड़िया कविता की असीम उड़ान नहीं जानती।

**चरण 3:** निष्कर्ष चिड़िया कविता की उड़ान नहीं जानती क्योंकि उसकी सीमित भौतिक उड़ान कविता की असीम कल्पना को नहीं समझ सकती।

**त्वरित सुझाव:** चिड़िया और कविता की उड़ान की तुलना में भौतिक सीमा तथा कल्पना की असीमता दोनों अवश्य लिखिए।

**11(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :**
**'एक गीत' कविता के संदर्भ में लिखिए कि चिड़िया के परों में चंचलता भरने के क्या कारण हो सकते हैं।** [2 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- वात्सल्य और अपने प्रियजनों से मिलने की उत्सुकता गति में स्फूर्ति भरती है।
- नीड़ों में प्रतीक्षारत बच्चों की चिंता चिड़िया की घर लौटने की आतुरता बढ़ाती है।

**चरण 1:** प्रसंग का संबंध स्पष्ट कीजिए दिन ढलने के साथ चिड़िया को घोंसले में प्रतीक्षा करते बच्चों का ध्यान आता है। बच्चे भोजन और माँ के स्नेह की आशा में बाहर झाँक रहे होंगे। इस कल्पना में मातृत्व, अपनापन और दायित्व जुड़े हैं। इन्हीं भावों से उसके पंखों की गति तेज हो जाती है और थकान पर उत्साह हावी होता है।

**चरण 2:** लगभग 40 शब्दों में उत्तर चिड़िया के बच्चे घोंसले में माँ की प्रतीक्षा कर रहे होंगे। उन्हें भोजन देने और उनसे मिलने की ममता चिड़िया को शीघ्र घर पहुँचने के लिए प्रेरित करती है। दिन ढलने की चिंता और बच्चों के प्रेमपूर्ण मिलन की उत्सुकता उसके परों में चंचलता भर देती है।

**चरण 3:** निष्कर्ष बच्चों की प्रतीक्षा, मातृस्नेह और दिन ढलने से पहले नीड़ में पहुँचने की आतुरता चिड़िया के परों में चंचलता भरती है।

**त्वरित सुझाव:** कारण लिखते समय केवल शाम का उल्लेख न करें; बच्चों की प्रतीक्षा और चिड़िया के मातृस्नेह को जोड़ें।

**11(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :**
**शारीरिक चुनौती को झेलते व्यक्ति से कैमरे पर सवाल पूछना मीडियाकर्मियों की किस कमी को दर्शाता है ? 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।** [2 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- कविता मानवीय पीड़ा को प्रदर्शन और व्यावसायिक लाभ का साधन बनाने की प्रवृत्ति पर व्यंग्य करती है।
- दुखी व्यक्ति के प्रति संवेदना में उसकी गरिमा और निजता का सम्मान आवश्यक है।

**चरण 1:** सवालों के उद्देश्य को समझिए कविता में मीडियाकर्मी शारीरिक चुनौती झेलते व्यक्ति को सहज बनाने के बजाय उससे पीड़ा उगलवाना चाहते हैं। उनका दबाव ऐसा दृश्य पैदा करने के लिए है जो दर्शकों को भावुक करे। वे उसकी सहायता या सम्मान से अधिक

कार्यक्रम की सफलता में रुचि लेते हैं। इसलिए समस्या केवल सवाल पूछना नहीं, उनके पीछे की संवेदनहीन दृष्टि है।

**चरण 2:** लगभग 40 शब्दों में उत्तर कैमरे पर पीड़ादायक सवाल पूछना मीडियाकर्मियों की संवेदनशीलता और मानवीय करुणा की कमी दर्शाता है। वे व्यक्ति की गरिमा तथा मनःस्थिति का सम्मान करने के बजाय उसकी पीड़ा को रोचक दृश्य बनाकर दर्शकों की सहानुभूति बटोरना चाहते हैं। यह व्यावसायिक स्वार्थ और अमानवीयता है।

**चरण 3:** निष्कर्ष ऐसे सवाल मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता, व्यावसायिक स्वार्थ और पीड़ित की गरिमा के प्रति उपेक्षा दर्शाते हैं।

**त्वरित सुझाव:** उत्तर में प्रश्न पूछने की क्रिया से अधिक पीड़ा का प्रदर्शन कराने की मानसिकता और संवेदना की कमी स्पष्ट कीजिए।

**12(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**
**भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ?** [3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- भक्तिन अपने ग्रामीण संस्कारों और पसंद के साथ महादेवी के जीवन में आती है।
- साथ रहने का प्रभाव एकतरफा नहीं है; महादेवी भी भक्तिन के भोजन, भाषा और रहन-सहन को अपनाती हैं।

**चरण 1:** जीवनचर्या में परिवर्तन पहचानिए भक्तिन अपने तौर-तरीके आसानी से नहीं बदलती। वह शहर और महादेवी के परिवेश में रहकर भी अपने ग्रामीण संस्कार सँजोए रखती है। इसके उलट महादेवी उसके बनाए साधारण ग्रामीण भोजन का स्वाद लेने लगती हैं और उसकी भाषा तथा आदतों से परिचित होती जाती हैं। यह प्रसंग भक्तिन के दृढ़ व्यक्तित्व और दोनों के आत्मीय संबंध को प्रकट करता है।

**चरण 2:** कथन का आशय स्पष्ट कीजिए अधिक देहाती होना यहाँ अशिक्षित हो जाने का अर्थ नहीं रखता। इसका संबंध ग्रामीण जीवन के स्वाद, शब्दावली और सहजता को अपनाने से है। लेखिका इस परिवर्तन को आत्मीय विनोद के साथ बताती हैं। भक्तिन सेवा करने वाली होकर भी अपने दृढ़ स्वभाव से उनके दैनिक जीवन पर प्रभाव डालती है।

**चरण 3:** लगभग 60 शब्दों में उत्तर भक्तिन अपने देहाती संस्कार छोड़कर महादेवी की शहरी जीवनचर्या के अनुरूप नहीं बनी। उलटे महादेवी उसके प्रभाव से मकई के दलिये, बाजरे के तिलवाले पुए और ज्वार के भुने भुट्टे जैसे ग्रामीण भोजन पसंद करने लगीं। उन्होंने देहाती कहावतों और भाषा का ज्ञान भी पाया। इस प्रकार खान-पान और बोलचाल में भक्तिन का प्रभाव स्वीकार करके महादेवी अधिक देहाती हो गईं।

**चरण 4:** निष्कर्ष भक्तिन के प्रभाव से ग्रामीण भोजन तथा देहाती भाषा और कहावतें अपनाने के कारण महादेवी अधिक देहाती हो गईं।

**त्वरित सुझाव:** भक्तिन के हठ का सामान्य वर्णन करने के बजाय महादेवी के खान-पान और भाषा में आए ठोस बदलाव लिखिए।

**12(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**
**'बाज़ार दर्शन' पाठ के अनुसार बाज़ार को सार्थकता कैसे लोग प्रदान करते हैं ?** [3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- बाज़ार की उपयोगिता वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति में है; केवल धन खर्च करना उसकी सार्थकता नहीं है।
- भगत जी का व्यवहार संयमित ग्राहक का उदाहरण है; वे अपनी ज़रूरत की वस्तु लेते हैं और आकर्षण से विचलित नहीं होते।

**चरण 1:** पाठ के मूल विचार को समझें जैनेंद्र कुमार खरीदारी में मन की स्थिति को महत्त्व देते हैं। अपनी आवश्यकता को जानने वाला व्यक्ति बाज़ार से उपयोगी वस्तु चुनता है। इसके विपरीत चकाचौंध में पड़कर अनावश्यक खरीदारी करने वाला ग्राहक बाज़ारूपन को बढ़ाता है। इसलिए उत्तर का केंद्र ग्राहक का विवेक और सीमित आवश्यकता होना चाहिए।

**चरण 2:** पाठ के उदाहरण से संबंध जोड़ें भगत जी उपलब्ध धन और अपनी आवश्यकता के अनुसार जीरा तथा काला नमक खरीदते हैं। बाज़ार की अन्य वस्तुओं का आकर्षण उन्हें उद्देश्य से नहीं हटाता। उनका संतोष यह स्पष्ट करता है कि सार्थक खरीदारी का संबंध धन की अधिकता से नहीं, आवश्यकता की स्पष्ट पहचान से है।

**चरण 3:** लगभग 60 शब्दों में उत्तर बाज़ार को सार्थकता वे लोग प्रदान करते हैं जो अपनी आवश्यकताओं को भली-भाँति पहचानते हैं। वे चकाचौंध और प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना केवल ज़रूरी वस्तुएँ खरीदते हैं। भगत जी इसी प्रकार के ग्राहक हैं। ऐसे संयमी लोग धन की शक्ति का दिखावा नहीं करते तथा खरीदने की अनावश्यक इच्छा पर नियंत्रण रखकर बाज़ार को वास्तविक उपयोगिता देते हैं।

**चरण 4:** निष्कर्ष आवश्यकता पहचानने वाले, संतोषी और विवेकशील ग्राहक बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं।

**त्वरित सुझाव:** उत्तर में आवश्यकता की पहचान, प्रलोभन से बचाव और भगत जी का उदाहरण अवश्य जोड़ें।

**12(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :**
**पहलवान की ढोलक मृत गाँव में संजीवनी शक्ति का संचार किस प्रकार करती थी ?** [3 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- ढोलक की ध्वनि निराश ग्रामीणों में भय से लड़ने और जीवन के प्रति आशा बनाए रखने का भाव जगाती है।
- यहाँ संजीवनी का अर्थ मनोबल का संचार है; ढोलक बीमारी की दवा के रूप में प्रस्तुत नहीं की गई है।

**चरण 1:** गाँव की परिस्थिति पहचानें रेणु की कहानी में महामारी से पीड़ित गाँव मृत्यु, शोक और भय से भर गया है। रात का सन्नाटा लोगों की असहायता को और तीव्र बनाता है। इस वातावरण में पहलवान की ढोलक की आवाज़ जीवन की उपस्थिति का आभास देती है और अकेले पड़े लोगों को सहारा पहुँचाती है।

**चरण 2:** ध्वनि के प्रभाव को स्पष्ट करें ढोलक की लय ग्रामीणों को निराशा में डूबने से रोकती है और उन्हें सामूहिक सहारे का अनुभव कराती है। उसकी थाप में उन्हें मुकाबला करने की प्रेरणा सुनाई देती है। पहलवान स्वयं कठिनाइयों से घिरा है, फिर भी उसका वादन सामूहिक साहस का माध्यम बनता है। उत्तर में इस मानसिक प्रभाव को संजीवनी शक्ति के रूप में समझाना चाहिए।

**चरण 3:** लगभग 60 शब्दों में उत्तर महामारी से त्रस्त गाँव में चारों ओर मृत्यु का भय और निराशा छाई रहती थी। रात के सन्नाटे में पहलवान की ढोलक की थाप ग्रामीणों को जीवन का आभास कराती थी। उसकी लय उन्हें मृत्यु के भय से जूझने का साहस देती थी। इस प्रकार ढोलक निराश मनों में आशा, उत्साह और संघर्ष की प्रेरणा भरकर संजीवनी का काम करती थी।

**चरण 4:** निष्कर्ष पहलवान की ढोलक भयग्रस्त ग्रामीणों को आशा और संघर्ष का साहस देकर मानसिक संजीवनी प्रदान करती थी।

**त्वरित सुझाव:** संजीवनी का अर्थ मनोबल से जोड़ें और महामारी, रात के सन्नाटे तथा ढोलक की थाप का संबंध बताएँ।

**13(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :**
**'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर शिरीष के फूलों की विशेषता लिखिए।** [2 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- शिरीष के फूलों की कोमलता और भीषण गर्मी में उनका खिलना पाठ का प्रमुख विरोधाभास है।
- फूलों की मस्ती और अनासक्ति से लेखक जीवन में सहनशीलता की प्रेरणा ग्रहण करता है।

**चरण 1:** भौतिक विशेषता पहचानें शिरीष के फूल अत्यंत कोमल और सुंदर होते हैं। वे भीषण गर्मी तथा लू के बीच भी खिलते रहते हैं। उत्तर में उनकी कोमलता के साथ प्रतिकूल मौसम को सहने की क्षमता जोड़ना आवश्यक है; केवल सुंदरता बताने से पाठ का केंद्रीय भाव

स्पष्ट नहीं होगा। फूलों की यह विशेषता बाहरी कठोरता के बीच भीतर की सरसता बचाए रखने का संदेश देती है।

**चरण 2:** लगभग 40 शब्दों में उत्तर शिरीष के फूल अत्यंत कोमल, सुंदर और मनोहर होते हैं। भीषण गर्मी तथा लू में भी वे प्रसन्नतापूर्वक खिलते रहते हैं। उनकी मस्ती, सहनशीलता और अनासक्त भाव विपरीत परिस्थितियों में भी सरस तथा उल्लसित रहने की प्रेरणा देते हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष शिरीष के फूल कोमलता, सौंदर्य और प्रतिकूल मौसम में भी उल्लास बनाए रखने की विशेषता रखते हैं।

**त्वरित सुझाव:** फूलों की कोमलता के साथ भीषण गर्मी में खिलने की क्षमता और उससे मिलने वाली जीवन-प्रेरणा लिखें।

**13(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :**
**जाति आधारित श्रम विभाजन के दोषों का उल्लेख 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर कीजिए।** [2 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- जाति-प्रथा काम का ही नहीं, श्रमिकों का भी ऊँच-नीच के आधार पर विभाजन करती है।
- जन्म से तय पेशा रुचि, योग्यता और बदलती परिस्थितियों के अनुसार व्यवसाय चुनने में बाधा डालता है।

**चरण 1:** तर्क का आधार स्पष्ट करें आंबेडकर जाति आधारित श्रम-विभाजन को स्वाभाविक नहीं मानते। इसमें व्यक्ति की दक्षता और रुचि की उपेक्षा करके जन्म के आधार पर काम निर्धारित होता है। व्यवसाय बदलने पर रोक आर्थिक कठिनाइयों को बढ़ाती है। उत्तर में सामाजिक असमानता और आर्थिक निष्क्रियता दोनों परिणामों का संकेत दें।

**चरण 2:** लगभग 40 शब्दों में उत्तर जाति आधारित श्रम-विभाजन व्यक्ति की रुचि और योग्यता की उपेक्षा कर जन्म से व्यवसाय तय करता है। यह श्रमिकों में ऊँच-नीच पैदा करता है और पेशा बदलने की स्वतंत्रता छीनता है। इससे कार्यकुशलता घटती है तथा बेरोज़गारी और सामाजिक विषमता बढ़ती हैं।

**चरण 3:** निष्कर्ष जन्माधारित पेशा, श्रमिकों की असमानता और व्यवसाय बदलने की बाधा इस व्यवस्था के प्रमुख दोष हैं।

**त्वरित सुझाव:** केवल जातीय भेदभाव न लिखें; रुचि-योग्यता की उपेक्षा और व्यवसाय बदलने की रोक का परिणाम भी बताएँ।

**13(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :**
**भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था, कैसे ? पाठ के आधार पर लिखिए।** [2 अंक]

**हल:**

**अवधारणा:**

- भक्तिन का हठ कठिन परिस्थितियों के सामने हार न मानने में प्रकट होता है।
- दुर्भाग्य की हठधर्मिता का आशय जीवन में एक के बाद एक आने वाली पारिवारिक विपत्तियों से है।

**चरण 1:** कथन का आशय समझें महादेवी वर्मा का यह कथन भक्तिन के संघर्षपूर्ण जीवन को उजागर करता है। पति की मृत्यु के बाद भी वह कठिनाइयों से लड़ती है, लेकिन बड़ी बेटी भी विधवा हो जाती है। पारिवारिक स्वार्थ और संपत्ति के विवाद उसके कष्ट बढ़ाते हैं। घटनाओं के इसी क्रम से दुर्भाग्य के बार-बार लौटने का भाव स्पष्ट होता है।

**चरण 2:** लगभग 40 शब्दों में उत्तर भक्तिन विपत्तियों से हठपूर्वक लड़ती रही, किंतु दुर्भाग्य भी उसका पीछा नहीं छोड़ता था। पति की मृत्यु के बाद बड़ी बेटी विधवा हो गई। पारिवारिक षड्यंत्रों और संपत्ति संबंधी कठिनाइयों ने उसके दुख बढ़ाए। इसीलिए उसका दुर्भाग्य भी उतना ही हठी कहा गया है।

**चरण 3:** निष्कर्ष एक विपत्ति से उबरते ही दूसरी विपत्ति आ जाने के कारण भक्तिन का दुर्भाग्य भी उसके समान हठी कहा गया है।

**त्वरित सुझाव:** कथन का अर्थ बताकर पति की मृत्यु और बेटी के विधवा होने जैसे पाठगत प्रसंग जोड़ें।